



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-14102020-222448
CG-DL-E-14102020-222448

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 298]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 14, 2020/आश्विन 22, 1942

No. 298]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 14, 2020/ASVINA 22, 1942

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 2020

मामला सं. (एमटीआर) 06/2019

विषय: चीन जन.गण और तुर्की से डाइमिथाइलेसेटामाईड [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड] (डीएमएसी) पर लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के उत्पाद क्षेत्र तक सीमित मध्यावधि समीक्षा।

फा.सं. 7/11/2019-डीजीटीआर.—पृष्ठभूमि

- दिनांक 21.2.2018 की अधिसूचना सं. 14/41/2016-डीजीएडी के माध्यम से, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण और तुर्की (जिसे इसके पश्चात संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए “चीन जन.गण और तुर्की से डाइमिथाइलेसेटामाईड [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड] (डीएमएसी)” (जिसे इसके पश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की। केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 20.3.2018 की अधिसूचना सं. 12/2018-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्य से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. फा. सं. 7/11/2019-डीजीटीआर मै. इंडोरामा इस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे इसके पश्चात् “आवेदक” भी कहा गया है) ने समक्ष समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे इसके पश्चात् “अधिनियम” भी कहा गया है) और सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आंकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे इसके पश्चात् “नियमावली” भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात् ‘प्राधिकारी’ भी कहा गया है) के समक्ष 99.9 प्रतिशत की अधिकतम शुद्धता, 0.003 प्रतिशत के खारापन के अधिकांश स्तरों, 0.005 प्रतिशत के अधिकतम अम्लीय स्तरों, 0.05 तक अधिकतम लौह पीपीएम, 0.01 प्रतिशत की अधिकतम जल मात्रा वाले विशिष्ट ग्रेड के ‘**डाइमिथाइलेसेटामाईड [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड] (डीएमएसी)**’ के संबंध में यह दावा करते हुए कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं की विशेष संवाहकता (20 प्रतिशत वोलाक्सोलन) स्पेनडेक्स के उत्पादन में उसका उपयोग करने के लिए बहुत अधिक है, सीमित मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरुआत करने के लिए याचिका दायर की है।

ख. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध जांच के संबंध में नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन किया गया है:
- प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 17 जुलाई, 2019 को आम नोटिस जारी किया।
 - प्राधिकारी ने संबद्ध जांच की शुरुआत के बारे में भारत में चीन और तुर्की के दूतावास को सूचित किया जिसमें उनसे संबद्ध जांच के बारे में संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को सूचित करने का अनुरोध किया गया।
 - प्राधिकारी ने मूल जांच में घरेलू उद्योग के संघटकों मै. बालाजी अमाइन्स तथा मै. राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि. को अगोपनीय याचिका की प्रतियां उपलब्ध कराई तथा उसे मूल जांच में घरेलू उद्योग के रूप में माना गया था।
 - प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।
 - प्राधिकारी ने आवेदक निर्यातक द्वारा अपने आवेदन में किए गए दावे का सत्यापन करने के लिए आवेदक द्वारा और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की जांच संभव सीमा तक जांच की है।
 - चूंकि यह याचिका किसी विशेष प्रकार के विचाराधीन उत्पाद को बाहर रखने के सीमित उद्देश्य से है अतः प्राधिकारी से यह अपेक्षित नहीं है कि वे पाटन और क्षति की मात्रा का मूल्यांकन करें और इस कारण से जांच की अवधि की पूर्व अपेक्षा आवश्यक नहीं है।
 - आवेदक ने आयातक और घरेलू उद्योग से आगे उस सीमा तक सूचना मांगी गई थी जिस सीमा तक उसे आवश्यक माना गया। आवेदक आयातक के आंकड़ों और दावे का जिस सीमा तक उसे इस जांच के उद्देश्य से आवश्यक माना गया उस सीमा तक सत्यापन किया था।
 - घरेलू उद्योग के आंकड़ों और दावों का सत्यापन उस सीमा तक किया गया था जिस सीमा तक इस जांच के उद्देश्य से उसे आवश्यक माना गया।
 - इस नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने इन हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 30 अगस्त, 2019 को आयोजित आम सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अवसर भी उपलब्ध कराया। दूसरी और तीसरी आम सुनवाई क्रमशः दिनांक 5 दिसंबर, 2019 और 7 अगस्त, 2020 को आयोजित की गई थी। उसके बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदल जाने के कारण और दिनांक 7.1.2011 को सिविल अपील सं. 2006 का 949 में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा ऑटोमोटिव टॉयर मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (एटीएमए) बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में दिए गए निदेश को देखते हुए, उन पक्षकारों जिन्होंने आम सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए, से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित अनुरोध और उसके बाद प्रति उत्तर अनुरोध प्रस्तुत करें।
 - दिनांक 18.8.2020 को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचारार्थ आवश्यक तथ्य निहित थे और जिसके माध्यम से प्रकटन विवरण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों को अपनी

टिप्पणियां यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए 21.8.2020 तक का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन प्रस्ताव टिप्पणियों की जांच की है।

- xi. इस अंतिम जांच परिणाम में '****' गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना तथा इस नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा वैसी मांगी सूचना का द्योतक है।

आवेदक द्वारा किया गया अनुरोध

4. आवेदक द्वारा नीचे दिए गए अनुसार अनुरोध किया गया:

- क. मूल जांच में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद 'डाइमिथाइलेसेटामाईड [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड]' था। डाइमिथाइलेसेटामाईड फार्मूला सीएच₃सी (ओ) एन (सीएच₃)₂ के साथ मिश्रण है और इसका रासायनिक नाम "एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड"। डीएमएसी जैसे संक्षिप्त रूप का भी उपयोग सामान्य तौर पर बाजार की बातचीत में विचाराधीन उत्पाद को बताने के लिए किया जाता है। यह स्पष्ट, रंग रहित से पीले तरल पदार्थ जो जल में घुलनशील हो तथा पीले अमाइन जैसे अथवा अमोनियाकलोडर वाले अन्य आर्गेनिक पदार्थ है। संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण सीमा शुल्क शीर्ष 292429000 के अंतर्गत किया जाता है।
- ख. आवेदक ने डीएमएसी के विशेष ग्रेड जिसका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है और उसके साथ ही जो इलास्टोमेरिक यार्न (स्पेनडेक्स) के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है, को बाहर रखे जाने की मांग की है। इस उत्पाद के संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए कुछ मुद्दे नीचे दिए गए अनुसार हैं:
 - i. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डीएमएसी कम शुद्धता की है। राष्ट्रीय फर्टिलाइजर्स एंड मै. बालाजी अमाइन्स की जांच परिणाम यह दर्शाती है कि उनके द्वारा दी जा रही शुद्धता 99.9 प्रतिशत से कम है।
 - ii. राष्ट्रीय फर्टिलाइजर्स और मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उपलब्ध कराया गया विश्लेषण प्रमाण-पत्र (सीओए) खारेज को नहीं दर्शाता है जो हमारे उपयोग के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण है।
 - iii. राष्ट्रीय फर्टिलाइजर्स और मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उत्पादित डीएमएसी का जांच परिणाम 0.01 प्रतिशत से अधिक अम्लीयता के स्तर को दर्शाता है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार, यह स्तर बहुत अधिक है और इनका उपयोग इलास्टोमेरिक यार्न के उत्पादन में नहीं किया जा सकता है।
 - iv. घरेलू उद्योग का विनिर्देश और उनका जांच परिणाम दर्शाता है कि जल(नमी) की मात्रा इलास्टोमेरिक यार्नों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अधीन निर्धारित मात्रा की तुलना में बहुत अधिक है। जैसाकि हमारे आवेदन तथा मै. बालाजी अमाइन्स के साथ किए गए पत्राचार में दर्शाया गया है, इसे स्पष्ट नहीं किया गया है कि नमी की मात्रा 0.01 प्रतिशत (100 पीपीएम) से कम होना है। यह समझा जाता है कि घरेलू उद्योग किसी भी चीज की आपूर्ति 0.2 प्रतिशत नमी की मात्रा से कम पर आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं है।
 - v. डीएमएसी का रंग (एपीएचए) मै. बालाजी अमाइन्स के विश्लेषण प्रमाण-पत्र में नहीं दिया गया है जबकि यह भी इलास्टोमेरिक यार्नों के उत्पादन में उपयोग किए जाने के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है।
 - vi. पीएच (20 प्रतिशत बोलासोलन) भी मैसर्स बालाजी अमाइन्स के विश्लेषण प्रमाण-पत्र में नहीं दिया गया है। यह भी इलास्टोमेरिक यार्नों के उत्पादन में उपयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है।
 - vii. इलास्टोमेरिक यार्नों के उत्पादन के लिए, डीएमएसी में 0.1 माइक्रो-सीमंस/सीएम की संवाहकता अवश्य होनी चाहिए। जबकि, राष्ट्रीय फर्टिलाइजर्स के संबंध में विनिर्देश और जांच परिणाम अपेक्षा से अधिक संवाहकता अर्थात् 4-5 प्रतिशत दर्शाता है। जहां तक मै. बालाजी अमाइन्स का प्रश्न है, सीओए एक मानदंड के रूप में संवाहकता का भी उल्लेख नहीं करता है।

ग. उक्त उत्पाद का उपयोग इस देश में इलास्टोमेरिक यानों के उत्पादन के लिए किया जाता है। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए उपयुक्त उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए विशिष्ट आधार नीचे दिए गए अनुसार हैं:

- i. घरेलू उद्योग ने वास्तव में जांच की अवधि के दौरान उक्त ग्रेड का उत्पादन नहीं किया है।
- ii. यह कि वे घरेलू प्रयोक्ता उद्योग को उक्त उत्पाद की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं हैं।
- iii. यह कि उक्त उत्पादों को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं से तकनीकी रूप से अथवा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है।
- iv. यह कि घरेलू उद्योग ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि वे उक्त ग्रेड की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं हैं। उक्त ग्रेड की आपूर्ति करने की उनकी तकनीकी और वाणिज्यिक असमर्थता को दर्शाते हुए पर्याप्त साक्ष्य भी इस आवेदन के साथ संलग्न किया गया है।
- v. यह कि घरेलू उद्योग का उद्देश्य डीएमएसी की अपेक्षित ग्रेड का उत्पादन करने और उसकी आपूर्ति करने का भी नहीं है।

घ. उपर्युक्त स्थिति की पुष्टि इस तथ्य से की गई है कि आवेदक द्वारा पूरे वर्षों के दौरान बार-बार प्रयास किए जाने के बावजूद, न तो घरेलू उत्पादक आवेदक को संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने में अथवा सकारात्मक पेशकश जो आवेदक द्वारा अपेक्षित विनिर्देश को पूरा कर सकता था, करने में भी सक्षम नहीं रहा है।

ड. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 4 में जल की अधिकतम मात्रा को त्रुटिवश 0.01 प्रतिशत अधिकतम की बजाय 0.2 प्रतिशत अधिकतम के रूप में लिखा गया है। यह एक स्पष्ट टंकण संबंधी त्रुटि है। वास्तव में “समीक्षा के आधारों” के अंतर्गत पैरा 6(ख) में जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना अपने आप में यह स्पष्ट करती है कि आवेदक की जल की मात्रा की आवश्यकता 0.01 प्रतिशत अधिकतम है।

च. आवेदक द्वारा यथा-अपेक्षित जल की मात्रा संबंधी विनिर्देश 0.01 प्रतिशत अधिकतम और न कि 0.2 प्रतिशत अधिकतम है। एकमात्र प्रतिवादी के साथ विभिन्न पत्राचार, आवेदन तथा जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना स्पष्ट रूप से यह सूचित करती है कि रिकॉर्डों को पहली नजर में देखने पर टंकण संबंधी त्रुटि हुई है।

छ. एकमात्र भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक ने एक कहानी बनाने की कोशिश की है कि संवाहकता और खारापन आदि जैसी अपेक्षाओं का उल्लेख मैसर्स बाला जी अमाइन्स के साथ इसके द्वारा पूर्व में किए गए पत्राचारों में आवेदक द्वारा अपेक्षा के रूप में नहीं किया गया था और न ही वे वर्तमान एमटीआर के क्षेत्र का हिस्सा हैं। आवेदक यह अनुरोध करते हैं कि भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक प्राधिकारी को उत्पाद विनिर्देश के संबंध में आवेदक द्वारा किए गए पत्राचारों के संदर्भ में भ्रामक सूचना देकर भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है। आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स को नमी और विशिष्ट संवाहकता के संबंध में आवश्यकताओं सहित इसकी उत्पाद आवश्यकताओं के बारे में पत्र लिखा है। वास्तव में, दिनांक 10.5.2019 को, मै. बालाजी अमाइन्स के विपणन प्रबंधक श्री एस.डी.पटेल ने आवेदक से खारापन और संवाहकता के मानदंडों के लिए एमओए (विश्लेषण ज्ञापन) साझा करने के लिए विशेष रूप से अनुरोध किया था। इसके अलावा, दिनांक 11.5.2019 को मै. बालाजी अमाइन्स के प्रतिनिधि द्वारा उसी सूचना के लिए फिर से अनुरोध करते हुए एक अनुस्मारक मेल भेजा गया था। मै. बालाजी अमाइन्स के अनुरोधों के जवाब में आवेदक ने दिनांक 11.5.2019 को संवाहकता और खारापन की जांच करने के लिए जांच संबंधी प्रक्रिया भेजी।

ज. मै. बालाजी अमाइन्स ने आवेदक को विशेष रूप से विशिष्ट संवाहकता को कम करने के लिए तरीकों के बारे में कहा है। उनके पृष्ठताछ के उत्तर में दिनांक 16.5.2019 को आवेदक ने संबद्ध वस्तुओं की आवश्यकता को कम करने के लिए अपेक्षित जेसिन के विनिर्देशों को साझा किया। यह स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि संवाहकता का मुद्दा होने का शामिल किए गए मुद्दे का हिस्सा था।

झ. प्राधिकारी यह भी नोट कर सकते हैं कि मै. बालाजी अमाइन्स के साथ ये सभी पत्राचार वर्तमान कार्यवाहियों के शुरु होने के पूर्व किया गया है। ऐसे परिदृश्य में मै. बालाजी अमाइन्स का यह अनुरोध कि विशिष्ट

संवाहकता (20 प्रतिशत बोलाकसोलन), खारापन आदि जैसी अपेक्षाओं का उल्लेख आवेदक द्वारा मै. बालाजी अमाइन्स के साथ इसके पूर्व के पत्राचार में एक आवश्यकता के रूप में उल्लेख नहीं किया गया था, स्पष्ट तौर पर भ्रामक है।

- ट. जहां तक मै. बालाजी के इस अनुरोध का प्रश्न है कि विशिष्ट संवाहकता (20 प्रतिशत बोलाकसोलन), संवाहकता आदि जैसी अपेक्षाओं को उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है, आवेदक यह अनुरोध करते हैं कि जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 6(घ) में समीक्षा के आधार स्पष्ट रूप से समीक्षा के एक आधार के रूप में विशिष्ट संवाहकता को शामिल करते हैं। ऐसे परिदृश्य में, इस संबंध में, मै. बालाजी अमाइन्स का अनुरोध गलत और असत्य है और इसे अस्वीकार किया जा सकता है। पूर्वाग्रह के बिना, घरेलू उत्पादक का तर्क बिना किसी कानूनी आधार का है। जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में समीक्षा के आधारों के संबंध में केवल प्रथमदृष्टया सूचना निहित है और प्राधिकारी का अंतिम निर्णय वास्तविक तथा कानूनी अनुमानों पर प्राधिकारी द्वारा विस्तृत जांच का परिणाम है।
- ठ. भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक के इस दावे के संबंध में कि मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उत्पादित और बेची गई डीएमएसी में चीन जन.गण और तुर्की में उत्पादित और वहां से निर्यात किए गए डीएमएसी से तुलनीय विशेषताएं हैं, यह उल्लेख किया जाता है कि मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उत्पादन की गई संबद्ध वस्तु विभिन्न आधारों पर जैसे रंग, नमी की मात्रा, खारापन, संवाहकता आदि पर आवेदक की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं। आवेदक काफी समय से मै. बालाजी अमाइन्स से संबद्ध वस्तुओं की खरीद करने की कोशिश करते रहे हैं और मै. बालाजी अमाइन्स अपेक्षित विनिर्देशों के साथ संबद्ध वस्तु उपलब्ध वस्तु उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं रहे हैं। नवीनतम नमूना विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, संवाहकता और खारापन स्वीकार किए जाने की सीमा से अधिक है।
- ड. अपने तर्क की पुष्टि करने के लिए, आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स को दिनांक 10.7.2015 की अपनी सूचना की प्रति प्रस्तुत की जिसमें आवेदक ने उनसे यह अनुरोध किया कि वे खारापन, नमी की मात्रा, विशिष्ट संवाहकता आदि सहित विभिन्न मानदंडों के संबंध में अपने विनिर्देशों को उपलब्ध कराएं। आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा दिनांक 11.07.2015 को जारी किए गए विश्लेषण प्रमाण-पत्र(सीओए) की प्रति भी प्रस्तुत की जिसमें मै. बालाजी कथित रूप से खारापन, आयरन की मात्रा और विशिष्ट संवाहकता जैसे विभिन्न मानदंडों से संबंधित विनिर्देशों के साथ संबद्ध वस्तु उपलब्ध कराने में सफल नहीं रहे हैं।
- ढ. मै. बालाजी अमाइन्स का यह अनुरोध कि मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उत्पादन किए गए और बेचे गए डीएमएसी में चीन जन.गण और तुर्की से उत्पादित और निर्यात किए गए डीएमएसी से तुलनीय विशेषताएं हैं, का कोई आधार नहीं है और उसकी पुष्टि नहीं की गई है। आवेदक की आवश्यकता इलास्टोमरिक यार्नों(स्पेनडेक्स) के उत्पादन के लिए विशिष्ट तकनीकी विनिर्देश वाले डीएमएसी की आवश्यकता है। आवेदक को प्रौद्योगिकी प्रोवाइडर द्वारा यथा-उपलब्ध कराए गए विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशों के साथ संबद्ध वस्तुओं की आवश्यकता है। वास्तव में, इस कारण से ही आवेदक शुल्कों को लगाए जाने के बाद भी पाटनरोधी शुल्कों का भुगतान कर संबद्ध वस्तुओं का आयात करता रहा है। इस दावे की पुष्टि करने के लिए, आवेदक ने प्रौद्योगिकी प्रोवाइडर द्वारा यथा-उपलब्ध कराए गए डीएमएसी तकनीकी विनिर्देश आवश्यकताओं को प्रस्तुत किया। आवेदक ने डीएमएसी की नमी, संवाहकता, अम्लीयता और खारापन के महत्व पर एक संक्षिप्त लेख भी प्रस्तुत किया।
- ण. इस देश में एक अन्य निर्माता अर्थात् मै. हियोसंग कारपोरेशन ने स्पेन्डेक्स यार्न का उत्पादन करना शुरू किया है और जांच रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा आपूर्ति किए गए डीएमएसी के नमूने संवाहकता और जल की मात्रा संबंधी मानदंडों पर असफल रहा।
- त. मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा अपने लिखित अनुरोधों में संलग्न किए गए अक्किम, तुर्की के उत्पाद ब्रोसर के संबंध में, उक्त उत्पाद ब्रोसर संबद्ध वस्तुओं के केवल सामान्य विनिर्देशों को सूचीबद्ध कर रहा है। मै. बालाजी अमाइन्स ने प्राधिकारी को यह नहीं सूचित किया है कि अक्किम भी विस्तृत तकनीकी विनिर्देश का उल्लेख करता है जहां कहीं भी प्रयोक्ता इस प्रकार की विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशों के साथ संबद्ध वस्तुओं की अपेक्षा

करता है। इस संदर्भ में, आवेदक विशिष्ट तकनीकी मानदंडों के साथ संबद्ध वस्तुओं के लिए अक्किम, तुर्की का एक नियमित आयातक भी है और यह कि अक्किम भी विभिन्न मानदंडों जैसे खारापन, आयरन की मात्रा, रंग, विशिष्ट संवाहकता आदि जैसे विभिन्न मानदंडों के संबंध में विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशों वाली संबद्ध वस्तु उपलब्ध कराता है। आवेदक ने अपने दावे की पुष्टि करने के लिए उक्त मानदंडों के संबंध में विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशों के साथ तुर्की से मै. अक्किम की वाणिज्यिक बीजकों को प्रस्तुत किया।

- थ. 2016 में, आवेदक ने मै. अक्किम, तुर्की द्वारा केवल इस कारण से आपूर्ति की गई वस्तुओं को अस्वीकार किया कि उस लॉट में नमी की मात्रा 9.01 प्रतिशत की बजाय 0.017 प्रतिशत था। निर्यातक द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं के उक्त अस्वीकरण संबद्ध वस्तुओं पर शुल्कों को लगाए जाने के पूर्व भी हुआ। आवेदक ने मै. अक्किम, तुर्की द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद के अस्वीकरण की पुष्टि करते हुए संगत दस्तावेज प्रस्तुत किए।
- द. भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक के इस दावे के जवाब में कि आवेदक ने यह नहीं दर्शाया है कि संबद्ध वस्तु जिससे उनका संबंध है मूल जांच में यथा-परिभाषित डीएमएसी की “समान वस्तु नहीं” है, आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि मै. बालाजी अमाइन्स ने कानूनी एवं तथ्यात्मक दोनों रूप से उत्पाद को बाहर करने का अनुरोध करने के लिए आवेदक के तर्क और आधार को गलत तरीके से समझा है। आवेदक डीएमएसी के विशेष ग्रेड को इस आधार पर बाहर करने की मांग कर रहे हैं कि उसका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है और इस कारण से इसे प्राधिकारी की सतत कार्य-पद्धति के अनुसार बाहर किया जाना चाहिए था। जब घरेलू उद्योग आवेदक द्वारा यथा अपेक्षित तकनीकी विनिर्देशों वाले उत्पाद का निर्माण नहीं करता है, इस तथ्य का कोई कारण नहीं है कि क्यों आवेदक को पाटनरोधी शुल्कों का भुगतान करने के लिए बाध्य होना चाहिए। इस तथ्य कि आवेदक “उत्पाद को बाहर रखने” की मांग कर रहा है, अपने आप में यह दर्शाता है कि उत्पाद विनिर्देश जिसके लिए आवेदक द्वारा बाहर किए जाने की मांग की जाती है, उस उत्पाद की समान वस्तु है जिस पर शुल्कों को लगाया गया है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि ‘असमान वस्तु’ कभी भी सबसे पहले विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा नहीं बनेगा और इस कारण से वह पाटनरोधी शुल्कों के अध्यधीन नहीं हो सकता है।

भाग लेने वाले घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया अनुरोध

- क. आवेदक द्वारा मै. बालाजी अमाइन्स को आवेदक द्वारा पूर्व में किए गए सभी पत्राचारों में आवश्यकता के रूप में विशिष्ट संवाहकता (20 प्रतिशत वोलाकसोलन), जल की मात्रा आदि जैसे लक्षणों का उल्लेख नहीं किया गया था और न ही वे वर्तमान एमटीआर के पैरा 5 में यथाउल्लिखित वर्तमान एमटीआर के क्षेत्र का हिस्सा है।
- ख. डीएमएसी का उपयोग अनेक प्रयोक्ता खंडों जैसे फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल आदि में किया जाता है और विशिष्ट प्रयोक्ताओं की आवश्यकता अपनी शुद्धता आदि के मामले में अलग-अलग हो सकती है। हालांकि, इसी तरीके से इस उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति उत्पादकों द्वारा किया जाता है। इस उत्पाद का उत्पादन किसी विशेष प्रयोक्ता खंड तक सीमित नहीं है और प्रत्येक प्रयोक्ता अपने विकल्प के उत्पाद को प्राप्त करने के लिए किसी डीएमएसी उत्पादक के पास पहुंच सकते हैं। इस प्रकार से, उत्पादकों चाहे वो भारत में हो या विदेशी हो, द्वारा पेशकश की जा रही डीएमएसी प्रयोक्ताओं द्वारा यथानिर्दिष्ट ऐसी आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं और इस प्रकार का परिवर्तन निर्माण को परिष्कृत करने का मामला भी है और ऐसा नहीं है कि कुछ उत्पादक किसी विशेष प्रकार के डीएमएसी को भी उपलब्ध करा सकते हैं और कुछ उत्पादक इस प्रकार की किसी विशिष्ट प्रकार को उपलब्ध नहीं करा सकते हैं।
- ग. अक्किम, तुर्की का उत्पाद ब्रोसर यह दर्शाता है कि कंपनी अपने ब्रोसर में दो प्रमुख प्रकारों को दर्शाता है जिसमें एक फार्मास्युटिकल गुणवत्ता वाला है और दूसरा टेक्सटाइल गुणवत्ता वाला है। ब्रोसर यह भी दर्शाता है कि कम से कम 99.9 प्रतिशत की उच्चतम शुद्धता की आवश्यकता फार्मास्युटिकल क्षेत्र में देखी गई है और टेक्सटाइल से जुड़ी शुद्धता केवल न्यूनतम 99.6 प्रतिशत है। मै. बालाजी अमाइन्स अधिकांश तौर पर फार्मास्युटिकल कंपनियों को आपूर्ति करता है जिसमें शुद्धता की आवश्यकता अपेक्षाकृत अधिक होती है जो यह दर्शाता है कि यह तर्क कि आवेदक को भारत में न्यूनतम 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली सामग्री प्राप्त नहीं हो

रही है, एक निराधार आरोप है। वास्तव में, आवेदक को टेक्सटाइल उत्पाद के लिए सामग्री की आवश्यकता होती है। यद्यपि आवेदक ने इलास्टोमेरिक यार्न के लिए स्पेन्डेक्स यार्न हेतु अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के बारे में चर्चा की फिर भी इस प्रकार का कोई दस्तावेज प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

- घ. आवेदक के कानूनी प्रतिनिधियों का यह तर्क कि स्पेन्डेक्स/इलास्टोमेरिक यार्न उद्योग 'टेक्सटाइल इंडस्ट्री' के अंतर्गत नहीं आता है बल्कि वह पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के अंतर्गत आता है, सही नहीं है। आवेदक अपनी वेबसाइट में यह उल्लेख करते हैं कि इस कंपनी द्वारा उत्पादित स्पेन्डेक्स यार्न टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बेची गई थी जिसका अर्थ यह होता है कि स्पेन्डेक्स यार्न टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए एक इनपुट है। डीएमएसी के लिए दो प्रमुख प्रयोक्त्या क्षेत्र हैं। एक फार्मास्युटिकल के लिए है और दूसरा टेक्सटाइल के लिए है। टेक्सटाइल क्षेत्र में स्पेन्डेक्स यार्न केहोने के कारण, डीएमएसी की आवश्यकता स्पेन्डेक्स यार्न उत्पादकों के लिए 99.6 प्रतिशत की सीमा में होगा जबकि मै. बालाजी अमाइन्स फार्मास्युटिकल जैसे अधिक प्रमुख क्षेत्र जहां शुद्धता की आवश्यकता 99.9 प्रतिशत है, को आपूर्ति कर रहा है।
- ड. संवाहकता की आवश्यकता डीएमएसी के लिए स्वाभाविक नहीं है। इस प्रकार की आवश्यकताएं विभिन्न रसायनों आदि के मामले में हो सकती है बल्कि यह किसी भी विशिष्ट रूप में डीएमएसी के उत्पादन में परिभाषित मानदंड नहीं है। संवाहकता के संबंध में वह सीमा समझी जाती है जिस सीमा तक एक विशिष्ट सामग्री विद्युत का संवाहन करती है, उसकी गणना विद्युत क्षेत्र में इस सामग्री में वर्तमान घनत्व का अनुपात होता है जो बिजली का प्रवाह उत्पन्न करता है और किसी दी गई सीमा में ऐसी प्रकृति को अनिवार्य रूप से डीएमएसी के मूलभूत गुणों में शामिल एक कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है। यह बहुत सामान्य घटना है और संवाहकता के आधारों पर इसे बाहर किया जाना अपेक्षित नहीं है जो डीएमएसी के उत्पादन में अनुपम और स्वाभाविक मानदंड नहीं है।
- च. आवेदक ने अपने आयातों का ब्यौरा जिसमें डीएमएसी की संवाहकता मानदंड आयात संबंधी दस्तावेजों में स्पष्ट नहीं थे, प्रस्तुत नहीं किया है। आवेदक से सत्यापन योग्य दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर यह प्रदर्शित करने के लिए कहा जाना चाहिए कि डीएमएसी जिसका उन्होंने आयात किया, के आयात संबंधी दस्तावेज में दर्शाए गए विशेष संवाहकता विनिर्देश थे।
- छ. आवेदक ने इस सुनवाई में यह अनुरोध किया था कि वे मूल मामले में प्राधिकारी द्वारा किए गए "समान वस्तु" के निर्धारण के संबंध में कोई प्रश्न नहीं उठाते हैं और आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू स्तर पर निर्माण की गई समान वस्तु की तुलनीयता के संबंध में कोई विवाद नहीं है। इस प्रकार से, यह विवाद स्पष्ट रूप से इस तर्क तक सीमित है कि आवेदक जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 4 और 5 में उल्लिखित विनिर्देश को पूरा नहीं कर सके जिसके संबंध में हमने पहले ही इंकार किया है। उपयुक्त जांच रिपोर्ट पहले से ही प्रस्तुत कर दी गई है।
- ज. आवेदक ने यह नहीं दर्शाया है कि संबद्ध उत्पाद जिससे वे संबंधित हैं दिनांक 20.03.2018 की अधिसूचना सं. 12/2018-सीमा शुल्क में पाटनरोधी शुल्कों के उद्देश्य से यथा-परिभाषित डीएमएसी का "समान वस्तु नहीं" है।
- झ. आवेदक द्वारा उल्लिखित उत्पाद पाटनरोधी शुल्क की संगत अधिसूचनाओं में विचाराधीन उत्पाद के रूप में परिभाषित डीएमएसी का परस्पर प्रकार है और इस प्रकार के सभी विनिर्देशों को डीएमएसी के भारतीय उत्पादकों द्वारा प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार प्राप्त किया जाता है। यह डीएमएसी के नियमित निर्माण का हिस्सा है और इस प्रकार के विनिर्देश को प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं है। वास्तव में, मै. बालाजी अमाइन्स पहले से ही इस प्रकार के विनिर्देश वाले डीएमएसी की आपूर्ति अनेक प्रयोक्ताओं को करते हैं। यह न्यायोचित है कि यहां आवेदक मै. बालाजी अमाइन्स से खरीद करने के लिए उत्सुक नहीं हैं क्योंकि उनका उद्देश्य जैसे ही डीएमएसी को पाटित किया जाता है उसे मामूली कीमतों पर प्राप्त करना है और यह गलत तरीके से आरोप लगाता रहा है कि भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित डीएमएसी उनकी मांग को पूरा नहीं कर सकता है। प्रस्तुत की गई जांच रिपोर्ट भी गुमराह कर रही है। डीएमएसी का उत्पादन अलग-अलग शुद्धता पर पूरे विश्व में किया जाता है और किसी विशेष प्रयोक्ता के लिए प्रमुख विनिर्देश को उत्पादन को

अनुकूल बनाकर उनके अनुरोध के आधार पर प्राप्त किया जाता है जो इन उत्पादकों द्वारा नियमित रूप से की जा रही प्रक्रिया है। वे आवेदक द्वारा अपेक्षित विनिर्देश वाली डीएमएसी की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं हैं।

- ट. ऐसे विनिर्देश वाले डीएमएसी को बाहर रखने का कोई औचित्य नहीं है। सर्वप्रथम, वे पीयूसी के रूप में परिभाषित डीएमएसी के परस्पर प्रकार ही हैं और न कि कोई अलग-अलग अथवा असमान वस्तु हैं। दूसरा तथ्य यह है कि घरेलू उद्योग ऐसे सभी विनिर्देशों वाले डीएमएसी की आपूर्ति कर रहा है और इसके विपरीत आरोपों में कोई आधार नहीं है। मै. बालाजी के पास ऐसे विनिर्देशों वाले डीएमएसी जिसका उल्लेख आवेदक द्वारा किया गया है, का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। मै. बालाजी अमाइन्स ने अपने डीएमएसी की प्रयोगशाला में जांच की है और उसका जांच परिणाम पूर्व के अनुरोध के साथ संलग्न किया गया था। यह रिपोर्ट दर्शाती है कि मै. बालाजी अमान्स द्वारा उत्पादन किए गए डीएमएसी आवेदक द्वारा यथा अपेक्षित सभी विनिर्देशों को पूरा करते हैं। इस प्रकार से, न्यूनतम शुद्धता (99.9 प्रतिशत न्यूनतम) और अधिकतम खारापन का स्तर (0.003 प्रतिशत अधिकतम), खारापन का न्यूनतम स्तर (0.005 प्रतिशत अधिकतम), अधिकतम आयरन पीपीएम (0.05) के रूप में, अधिकतम पानी (0.2 प्रतिशत अधिकतम) जैसे प्रकारों को बाहर रखना आवश्यक नहीं है।
- ठ. यह सही कथन नहीं है कि मै. बालाजी अमाइन्स आवेदक द्वारा अपेक्षित तकनीकी विनिर्देश वाले पीयूसी का उत्पादन नहीं कर रहा है। प्राधिकारी यह नोट कर सकते हैं कि जांच रिपोर्ट वही साक्ष्य है जिस पर बालाजी अमाइन्स लिमिटेड प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए विश्वास कर सकता है कि कंपनी आवेदक द्वारा अपेक्षित विनिर्देश वाली डीएमएसी की आपूर्ति करने की स्थिति में है।
- ड. प्राधिकारी इस मुद्दे की वास्तविक स्थिति की जांच करने के लिए कोई अपेक्षित सत्यापन अथवा जांच कर सकते हैं। वास्तव में आवेदक बार-बार संबद्ध उत्पाद के अपेक्षित विनिर्देशों को बदलते रहे हैं जो आवेदक की इस मंशा को दर्शाता है कि वह अपने कर्तव्यों से बचना चाहते हैं और उनके तर्कों में कोई दम नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

5. जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 4 में निम्नलिखित तकनीकी विनिर्देशों वाले “डाइमिथाइलेसटामाईड [एन,एन – डाइमिथाइलेसटामाईड] (डीएमएसी)” के विशिष्ट ग्रेड को बाहर रखने का उल्लेख था:
 - i. न्यूनतम शुद्धता (99.9 प्रतिशत न्यूनतम) और खारापन का अधिकतम स्तर (0.005 प्रतिशत अधिकतम)
 - ii. खारापन का अधिकतम स्तर (0.005 प्रतिशत अधिकतम)
 - iii. अधिकतम आयरन पीपीएम (0.05) के रूप में
 - iv. अधिकतम जल (0.2 प्रतिशत अधिकतम)
6. इसके अलावा, जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 6 में “समीक्षा का आधार” शीर्षक के अंतर्गत समीक्षा के आधारों के रूप में निम्नलिखित मानदंडों का उल्लेख था:
 - क) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डीएमएसी कमतर शुद्धता की है। राष्ट्रीय फर्टिलाइजर लि. और मै. बालाजी अमाइन्स के जांच परिणाम दर्शाते हैं कि उनके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शुद्धता 99.9 प्रतिशत से कम है।
 - ख) जल की मात्रा संबंधी विनिर्देश और राष्ट्रीय फर्टिलाइजर और मै. बालाजी अमाइन्स का जांच परिणाम स्पेन्डेक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार 0.01 प्रतिशत से काफी अधिक है।
 - ग) राष्ट्रीय फर्टिलाइजर लि. और मै. बालाजी अमाइन्स द्वारा उत्पादित डीएमएसी की जांच परिणाम 0.01 प्रतिशत से अधिक खारापन के स्तरों को दर्शाती है। स्पेन्डेक्स के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, यह स्तर इलास्टोमेरिक यानों का उत्पादन करने के लिए बहुत अधिक है।

घ) विशिष्ट संवाहकता (20 प्रतिशत बोलाकसोलन) विनिर्देश राष्ट्रीय फर्टिलाइजर के मामले में बहुत अधिक है और संवाहकता के संबंध में जांच परिणाम मै. बालाजी अमाइन्स के विश्लेषण प्रमाण-पत्र (सीओए) में नहीं दिया गया है।

7. इस जांच के दौरान, आवेदक द्वारा यह उल्लेख किया गया था कि पैरा 4 में 0.2 प्रतिशत अधिकतम के रूप में उल्लिखित अधिकतम जल की आवश्यकता टंकण संबंधी त्रुटि प्रतीत होती है। यह भी उल्लेख किया गया था कि जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना पैरा 6(ख) में अपने आप यह स्पष्ट करता है कि आवेदक की जल की मात्रा संबंधी आवश्यकता 0.01 प्रतिशत अधिक है। आवेदक ने यह भी अधिसूचित किया कि आवेदक को अधिकतम 0.1 माइक्रो-सीमेंस/सीएम की संवाहकता वाले संबद्ध वस्तुओं की आवश्यकता है।
8. विरोधी घरेलू उत्पादक के इस दावे के संबंध में कि विशिष्ट संवाहकता जैसे गुणों का उल्लेख आवेदक द्वारा मै. बालाजी अमाइन्स के साथ पूर्व में किए गए सभी पत्राचारों में एक आवश्यकता के रूप में नहीं किया गया था और नही वे वर्तमान एमटीआर के पैरा 5 में यथा-उल्लिखित वर्तमान एमटीआर के क्षेत्र का हिस्सा हैं, प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स को पत्राचार 2015 में ही प्रस्तुत कर दिया है जिसमें उन्होंने विशेष रूप से एक अपेक्षित मानदंड के रूप में संवाहकता का उल्लेख किया।
9. विरोधी घरेलू उत्पादक के इस तर्क के संबंध में कि टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आवेदक के होने के कारण उसे कम शुद्धता वाले उत्पाद की आवश्यकता होती है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उत्पादक के अनुरोध में कोई दम नहीं है क्योंकि यद्यपि स्पेन्डेक्स/इलास्टोमेरिक यार्न का उपयोग टेक्सटाइल क्षेत्र में किया जाता है, स्पेन्डेक्स/इलास्टोमेरिक यार्न उद्योग अपने आप पैट्रोकेमिकल क्षेत्र के अंतर्गत आता है।
10. किसी भी स्थिति में प्राधिकारी ने आवेदक की आवश्यकता को विस्तार से समझने के लिए आवेदक के संयंत्र का मौके पर सत्यापन किया। सत्यापन के दौरान, यह नोट किया गया था कि अपेक्षित संबद्ध वस्तुओं की अपेक्षित संवाहकता 0.1 माइक्रो-सीमेंस/सीएम से कम थी।
11. मै.बालाजी अमाइन्स के इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी को आवेदक द्वारा आयात किए गए डीएमएसी के जांच परिणामों से संवाहकता जैसे विनिर्देश की जांच करनी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इसने पिछले चार वर्षों के चुनिंदा महीनों में आवेदक द्वारा आयात किए गए डीएमएसी के जांच परिणामों और विश्लेषण के प्रमाण-पत्र की जांच की और यह नोट किया गया था कि विशिष्ट संवाहकता, जल की न्यूनतम मात्रा आदि जैसे आवेदक द्वारा उल्लेख किए गए मानदंडों का हमेशा उल्लेख विश्लेषण प्रमाण-पत्र और आवेदक द्वारा आयात किए गए डीएमएसी की जांच परिणामों में किया जाता है। इसके अलावा, आवेदक द्वारा आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं का विनिर्देश आवेदक द्वारा अपनी समीक्षा आवेदन में उल्लेखित मानदंडों के अनुरूप रहा है।
12. आवेदक ने प्रौद्योगिक प्रोवाइडर द्वारा यथा-उपलब्ध कराए गए स्पेन्डेक्स के उत्पादन के लिए डीएमएसी का विनिर्देश भी उपलब्ध कराया। वह आवेदक द्वारा अपने आवेदन में उल्लेख किए गए विनिर्देशों के अनुरूप है।

आवेदक आयातक द्वारा किया गया अनुरोध

13. आवेदक द्वारा आगे दिए गए अनुरोध निम्नानुसार है:

- i. यह कि शुल्कों को लगाए जाने के लिए आवेदन दो घरेलू उत्पादकों, मै. राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स लि.(आरसीएफ) और मै. बालाजी अमाइन्स लि. द्वारा दायर किया गया था। यह नोट किया जाना है कि केवल मै. बालाजी अमाइन्स लिमिटेड ने वर्तमान समीक्षा जांच में भाग लिया है। वर्तमान परिस्थितियों में, आवेदन के विरोध को अधिक से अधिक इस तथ्य को देखते हुए कि मै. राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि. ने इस जांच में भाग नहीं लिया है, मै. एकमात्र घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. बालाजी अमाइन्स की ओर से ही किया गया हुआ माना जा सकता है। तदनुसार, प्राधिकारी को यह मानना चाहिए कि इस प्रकार से 'घरेलू उद्योग' द्वारा वर्तमान आवेदन का विरोध नहीं किया गया है।
- ii. जबकि उपर्युक्त दो में से एक घरेलू उत्पादक मै. राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स लि. ने प्राधिकारी के साथ बिल्कुल ही सहयोग नहीं किया, अन्य घरेलू उत्पादक मै. बालाजी अमाइन्स लि. ने विश्वास के आधार पर इस जांच

में भाग नहीं लिया है। वास्तव में, भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक ने साबित न किए गए कथन और दावे उपलब्ध कराकर जांच की प्रक्रिया में लगातार बाधा उत्पन्न की है।

- iii. वर्तमान मामले में, प्राधिकारी ने इन पक्षकारों को अपने दावे/आपत्तियों के संबंध में स्पष्टीकरण देने के लिए तीन बार अवसर उपलब्ध कराए हैं। हालांकि इन तीनों बार, मै. बालाजी अमाइन्स लि. से कोई भी तकनीकी व्यक्ति अथवा उस उद्देश्य से निहित मुद्दों के तकनीकी/वाणिज्यिक पहलुओं की जानकारी रखने वाला किसी व्यक्ति ने सुनवाई के दौरान उपस्थित रहना आवश्यक नहीं माना। यह समझे जाने की आवश्यकता है कि कंपनी मै. बालाजी अमाइन्स के उचित प्रतिनिधि का उपस्थित रहना तकनीकी विनिर्देशों से संबंधित समीक्षा के आधारों के रूप में पूर्ण रूप से आवश्यक था। एकमात्र उत्तर देने वाले उत्पादक पर यह जिम्मेदारी थी कि वे प्राधिकारी को उसके निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहयोग करें।
- iv. विरोधी घरेलू उत्पादक के इस तर्क के संबंध में कि आवेदक का उत्पाद के क्षेत्र को चुनौती देने का कोई विधिक अधिकार नहीं है जब चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों में से एक उत्पादक अर्थात् जेजियांग जियांगशन केमिकल कं. लि., जिसमें मूल जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया था ने भी उत्पाद को बाहर किया जाने के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया, आवेदक का यह अनुरोध है कि नियम 23(1क) के संबंध में, समीक्षा के लिए अनुरोध आयातक अथवा प्रयोक्ता सहित किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत किया जाए। नियमावली में अथवा कानून में अन्यत्र कहीं भी अलग-अलग हितबद्ध पक्षकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया गया है। जब यह नियमावली स्पष्ट रूप से आयातकों/प्रयोक्ताओं सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों को मध्यावधि समीक्षा की मांग करने का अधिकार देता है, घरेलू उद्योग का आवेदक के कानूनी अधिकार को प्रतिबंधित करने के अनुरोध में बिल्कुल ही कोई दम नहीं है।
- v. जैसाकि आवेदक द्वारा पहले ही अनुरोध किया गया है, आवेदक को इलास्टोमेरिक यानों के उत्पादन के लिए विचाराधीन उत्पाद के विशिष्ट श्रेणियों की आवश्यकता होती है। आवेदक इस देश में इलास्टोमेरिक यानों का एकमात्र उत्पादक है। इस कारण से, चीन के उत्पादक को इसके द्वारा उत्पादित उत्पादों तथा विशिष्ट तकनीकी विनिर्देशों वाले संबद्ध वस्तुओं की आवश्यकता के साथ प्राधिकारी के समक्ष किसी पक्षकार के न होने पर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद के तकनीकी विनिर्देशों में अंतरों की जानकारी नहीं रही होगी। यह उल्लेख किया जा सकता है कि आवेदक के नाम और पते के बारे में पूरी सूचना होने के बावजूद घरेलू उत्पादकों ने इस याचिका में आवेदक का गलत पता उपलब्ध कराया। इसके अलावा, आवेदक के पास डीएमएसी की अपेक्षित विनिर्देशों की आपूर्ति के लिए घरेलू उत्पादकों के पास लगातार चर्चा हो रही थी और घरेलू उत्पादक आवेदक को बार-बार आश्वस्त कर रहे थे कि आवेदक द्वारा अपेक्षित विनिर्देशों की आपूर्ति करने में सक्षम होंगे। इस प्रकार से यह स्पष्ट है कि आवेदक सही कारणों से मूल जांच में भाग नहीं ले सके जो किसी भी स्थिति में आवेदक के नियम 23(1क) के अंतर्गत समीक्षा की मांग करने के अधिकार में कटौती नहीं करता है।
- vi. सहयोगी घरेलू उत्पादक ने आवेदक द्वारा उत्पाद को बाहर करने की मांग करने के लिए तर्क को नहीं समझा है। यह उल्लेखनीय है कि आवेदक इसमें प्रयोक्ता आधारित बहिर्गमन की मांग नहीं कर रहा है बल्कि यह दावा कुछ तकनीकी विनिर्देशों के डीएमएसी का उत्पादन करने के लिए घरेलू उद्योग की असमर्थता पर पूर्ण रूप से आधारित है जिसका उपयोग किसी विशेष आवेदन में किया जाता है। इस संदर्भ में यह अनुरोध किया जाता है कि आवेदक ने अनेक मामलों में अनेक मानदंडों के आधार पर कुछ उत्पाद प्रकारों को बाहर रखा है परंतु वह घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादन न किए जाने तक सीमित नहीं है।
- vii. प्राधिकारी हमेशा विचाराधीन उत्पाद में उत्पादों के विशिष्ट श्रेणी को शामिल करते/बाहर करते समय प्रयोक्ता उद्योगों की आवश्यकताओं के बारे में सचेत रहे हैं। हालांकि जब घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्कों की किसी प्रवंचना की आवश्यकता होती तब प्राधिकारी ने प्रयोक्ता आधारित बहिर्गमनों की भी मंजूरी दी है। वास्तव में, “चीन जन.गण., कोरिया, यूरोपीय यूनियन, दक्षिण अफ्रीका, थाइलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों” के संबंध में दिनांक 18.8.2017 को की गई हाल की जांच में प्राधिकारी ने प्रवंचनारोधी जांच के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद में शामिल किए गए उत्पाद श्रेणी के अधिकार प्राप्त प्रयोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क को नहीं लगाने की आवश्यकता को नोट किया।

- viii. अधिकार प्राप्त प्रयोक्ताओं के लिए उत्पाद ग्रेड/प्रकार को बाहर रखना बिल्कुल असामान्य नहीं है। कुछ बहिर्गमन/छूट अन्य मामलों जैसे चीन से मेटकोक, चीन से एल्युमिनियम रेडियेटर्स जैसे अन्य मामलों में दिए गए हैं। वर्तमान मामले में, आवेदक ने यह दर्शाया है कि विशिष्ट उत्पाद श्रेणी/विनिर्देश के लिए इसकी आवश्यकता वास्तविक और सही है। आवेदक ने यह भी दर्शाया है कि घरेलू उद्योग आवेदक द्वारा यथा-अपेक्षित विशिष्ट उत्पाद श्रेणी/विनिर्देश की आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं है। ऐसे परिदृश्य में, आवेदक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्राधिकारी ऊपर में यथा-उल्लिखित उत्पाद श्रेणी/विनिर्देश को बाहर रखें।
- ix. आवेदक ने दिनांक 1.9.2019 को आवेदक के संयंत्र में इसके अधिकारियों के दौरे के दौरान प्राधिकारी को पहले ही यह दर्शा दिया है कि आवेदक घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का उपयोग संबद्ध वस्तुओं के विशिष्ट ग्रेडों/विनिर्देश की आपूर्ति करने में अपनी असमर्थता के कारण घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादन किए गए संबद्ध वस्तुओं का उपयोग नहीं कर सकते हैं। आवेदक ने यह भी दर्शाया है कि यदि यह घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादन किए गए वस्तुओं का उपयोग करता है तब आवेदक के लिए बहुत अधिक लागत कारक शामिल है।

भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक द्वारा किया गया अनुरोध

14. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध नीचे दिया गया है:

- i. आवेदक का यह तर्क कि मै. राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि. (आरसीएफ) द्वारा भाग न लिए जाने को घरेलू उद्योग द्वारा कानूनी आधार न होने के विरुद्ध माना जाना चाहिए। वर्तमान एमटीआर समीक्षा जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के पैरा 5 में दिए गए शर्त के अनुसार सीमित है और नियम 2(ख) की शर्तों को सिद्ध करना वर्तमान मामले में आवश्यक नहीं है। उसके बावजूद मै. बालाजी अमाइन्स लि. जो भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों में से एक हैं, जिसका उत्पादन कुल भारतीय मांग के बड़े अनुपात का प्रतिनिधित्व करता है, प्राधिकारी के साथ सहयोग कर रहा है और वर्तमान एमटीआर जांच को बिना किसी बाधा के जारी रखने में सक्षम बनाने के लिए सभी संगत सूचना उपलब्ध कराई है।
- ii. आवेदक, जो डीएमएसी का प्रयोक्ता है, का अब जब चीन जन. गण के उत्पादकों/निर्यातकों में से एक अर्थात् झेजियांग जियागशन केमिकल कं. लि. जिसके उत्पाद पर आवेदक ने विश्वास किया है, उत्पाद क्षेत्र को चुनौती देने का कोई कानूनी आधार नहीं है चूंकि उसने आवेदक के साथ सहयोग किया है।
- iii. आवेदक ने मौखिक सुनवाई में उपर्युक्त तर्क को दूसरी ओर ले जाने की कोशिश की है मानो मै. बालाजी अमाइन्स ने यह अनुरोध किया है कि इस प्रकार के प्रयोक्ता उत्पाद समीक्षा आवेदन करने के लिए अधिकृत नहीं हैं अथवा वे उत्पाद के क्षेत्र का विरोध नहीं कर सकते हैं। इस प्रयास में कोई दम नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि यह मुद्दा नहीं है कि इस कारण से प्रयोक्ता का विचाराधीन उत्पाद आदि के क्षेत्र पर चिंता व्यक्त करने का कोई कानूनी आधार नहीं है। मुद्दा यह है कि आवेदक के पास वर्तमान मामले में कोई कानूनी आधार नहीं है क्योंकि संबंधित निर्यातक जिससे आवेदक तथाकथित विशेष श्रेणी के डीएमएसी की खरीद कर रहा है, ने मूल मामले में सहयोग किया था और उसने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र और समान वस्तु के पहलू के संबंध में कोई प्रश्न नहीं उठाया। जब संबंधित उत्पादक/निर्यातक ने इन उत्पादों को ऐसे विदेशी उत्पादक द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद में अंतर पैदा करने की अंतिम तौर पर कोशिश करते हुए एक प्रयोक्ता से तुलनीय नहीं पाया और इन कंपनियों का कोई कानूनी आधार नहीं है।
- iv. आवेदक ने सुनवाई में कंपनी से तकनीकी कार्मिकों के भाग न लेने का प्रश्न उठाया है। यह मुद्दा पूर्ण रूप से आधारहीन है और इसमें कोई तथ्य नहीं है। एकमात्र मुद्दा यह भी नहीं था जिसे आवेदक द्वारा उठाया गया था और उसका समाधान मै. बालाजी अमाइन्स के कानूनी प्रतिनिधियों के द्वारा उचित रूप से समाधान नहीं किया गया था।
- v. विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा अथवा उसे शामिल करना/बाहर करना कभी भी प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं के आधार पर नहीं किया गया है क्योंकि सामान्य नियम यह है कि आयात किए गए उत्पादों से समानता और इस प्रकार के सिद्धांतों पर वर्तमान मामले में समझौता नहीं किया जा सकता है।

- vi. भारत ने 450 से अधिक पाटनरोधी जांच की हैं और विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा प्रयोक्ताओं की आवश्यकताओं के आधार पर कभी नहीं किया गया था। विचाराधीन उत्पाद को हमेशा मूल उत्पाद विशेषताओं पर विचार करने के बाद परिभाषित किया जाता है। समान वस्तु की जांच भी आयात किए गए उत्पाद और उस उत्पाद के बीच की जाती है जिसे घरेलू स्तर पर बनाया जाता है। डीएमएसी जैसी मूल रसायनिक पदार्थ के लिए अलग-अलग उत्पाद विनिर्देश वाले अलग-अलग प्रयोक्ता का होना बहुत सामान्य बात है और प्रयोक्ता की आवश्यकताओं में इस प्रकार के अंतर डीएमएसी को अलग-अलग उत्पाद अर्थात् ऐसे सभी प्रयोक्ताओं के लिए अलग-अलग उत्पाद नहीं बनाता है। डीएमएसी के प्रयोक्ता जो 99 प्रतिशत अथवा उससे कम शुद्धता चाहते हैं, वे भी मौजूद हैं। इस प्रकार से, इस उत्पाद का उत्पादन भारत में और विदेश में अलग-अलग विनिर्देशों में करते हैं तथा यहां आवेदक की आवश्यकताओं को भी घरेलू उद्योग द्वारा पूर्ण रूप से पूरा किया जा सकता है बशर्ते वे घरेलू उद्योग से खरीदने के लिए तैयार हों और उनकी आवश्यकता अधिकार के आधार पर है और न कि लागू पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए कोई रणनीति है।
- vii. यदि आवेदक अपनी अपेक्षाओं के संबंध में स्पष्टता के साथ एक गंभीर और वास्तविक क्रेता जैसे बने रहें तब घरेलू उद्योग के पास हमेशा क्षमता और तकनीकी जानकारी तथा योग्यता है कि वह अपनी पसंद की डीएमएसी की आपूर्ति करें और यह बिल्कुल ही असंभव कार्य नहीं है जैसाकि आरोप लगाया जा रहा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. प्राधिकारी मै. राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लि. के भाग न लेने के संबंध में आवेदक के तर्क को नोट करते हैं और यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग के सभी संघटकों के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे इस समीक्षा में भाग लें।
16. प्राधिकारी घरेलू उत्पादक के इस अनुरोध को नोट करते हैं कि आवेदक का वर्तमान समीक्षा याचिका दायर करने में कोई कानूनी आधार नहीं है क्योंकि चीन के निर्यातक जिससे आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है, ने मूल जांच में भाग लिया था और उस समय उत्पाद में अंतर अथवा उसे बाहर करने के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदक ने इस आधार पर समीक्षा की मांग की है कि इन उत्पादों को वर्तमान समीक्षा याचिका में बाहर किया जाए, विशेष रूप से स्पेन्डेक्स उद्योग के लिए अपेक्षित है और घरेलू उद्योग उसे उपलब्ध कराने के लिए सक्षम नहीं है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक इस देश में स्पेन्डेक्स के दो निर्माताओं में से एक है और चीन के उत्पादक को इन वस्तुओं/घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं की विशिष्ट तकनीकी विशेषताओं और विचाराधीन उत्पाद की विशिष्ट तकनीकी आवश्यकताओं की जानकारी मूल जांच के दौरान रही होगी।
17. प्राधिकारी आवेदक द्वारा विचाराधीन उत्पाद के तकनीकी पहलू के संबंध में किए गए निम्नलिखित अनुरोधों को नोट करते हैं:
- प्राधिकारी आवेदक के इस दावे को नोट करते हैं कि स्पेन्डेक्स यार्न के निर्माण में पालीमराइजेशन की प्रक्रिया के लिए 0.1 माइक्रो-सीमेंस/सीएम से कम की संवाहकता वाली डीएमएसी की आवश्यकता होती है। आवेदक ने यह कहा है कि उच्च संवाहकता के फलस्वरूप कुछ अशुद्धता रह जाती है जो अमीनों और हाइड्रोक्सिल जो पालिमेर के निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिक्रियाशील हैं, प्रतिक्रिया करता है और इस कारण से अपेक्षाकृत अधिक संवाहकता वाले डीएमएसी उनके उत्पादन की प्रक्रिया में उपयुक्त नहीं हैं। यह दावा किया गया है कि आवेदक द्वारा आयात किए गए डीएमएसी ने हमेशा 0.1 माइक्रो सीमेंस/सीएम से कम संवाहकता होती है। इसके अलावा, आवेदक ने यह स्पष्ट किया है कि इस प्रक्रिया में उपयोग के बाद आयात किए गए डीएमएसी को फिर से प्राप्त किया जाता है और डिस्टिलेशन की प्रक्रिया वाले घुलनशील परिष्करण संयंत्र में फिर से शुद्ध किया जाता है। डिस्टिलेशन की प्रक्रिया से प्राप्त किए गए डीएमएसी में 0.2 से 0.6 माइक्रो सीमेंस/सीएम की सीमा में संवाहकता होती है और उस संवाहकता को आगे 0.1 माइक्रो-सीमेंस/सीएम से कम की अपेक्षित स्तर तक लाने के लिए, आवेदक ने एक इओन-एक्सचेंज संयंत्र भी स्थापित किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इओन एक्सचेंज संयंत्र को संबद्ध वस्तुओं की संवाहकता के कम करने के लिए एक आवश्यक अपेक्षा के रूप में दावा किया गया है। आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि मै. बालाजी अमाइन्स के पास संबद्ध वस्तुओं की

संवाहकता को कम करने के लिए इओन-एक्सचेंज संयंत्र नहीं है और इस कारण से वे अपेक्षित विनिर्देशों के साथ संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन नहीं कर सकते हैं। आवेदक ने उनके द्वारा आयात की गई डीएमएसी का विश्लेषण प्रमाण-पत्र यह दर्शाते हुए उपलब्ध भी कराया है कि इसकी संवाहकता 0.1 माइक्रो-सीमेंस/सीएम से कम है।

- ii. नमी के महत्व के संबंध में, प्राधिकारी आवेदक द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट करते हैं कि डीएमएसी में नमी की मात्रा प्रीपोलिमर के एनसीओ समूह से प्रतिक्रिया करता है और यह अमीनो समूह तथा सीओ₂ बनाता है। इसके कारण, अपेक्षित प्रतिक्रियाशील एनसीओ यूरिया बॉंड फारमेशन जो यार्न के गुणों को सीमित करता है, प्राप्त करने के लिए चैन एक्सटेंडर अमीनो ग्रुप के साथ प्रतिक्रिया करने के लिए उपलब्ध नहीं होगा। एक रासायनिक प्रक्रिया जिसे हाइड्रोलिटिक डिग्रेडेशन कहा जाता है तब होती है जब यह पानी के साथ प्रतिक्रिया करता है। लिंकेज में चैन विच्छेद बनाने वाला पोलिमर मोलिक्यूलर वजन और डिग्रेडेशन में कटौती करेगा। इसके कारण अधिक अशुद्धताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। यह पोलिमर जेल और साइड प्रतिक्रिया के कारण पोलिमर में स्वेलिंग भी उत्पन्न करता है जो पर्याप्त रूप से कटाई के कार्य-निष्पादन को कम कर देता है। इस कारण से यह आवश्यक है कि अंतिम स्ट्रीम में अनुपयुक्त उत्पाद से बचने के लिए डीएमएसी में नमी की मात्रा को सीमित किया जाए।
- iii. जहां तक खारापन के मानदंड का प्रश्न है, प्राधिकारी आवेदक द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट करते हैं कि अपेक्षाकृत अधिक खारापन वाले डीएमएसी प्रीपोलिमर के एनसीओ ग्रुप से प्रतिक्रिया करता है और यह अनुपयुक्त मध्यवर्ती सीओ₂ का निर्माण करता है। इसके साथ ही, यह अम्लीय हाइड्रोलिसिस प्रतिक्रिया को भी उत्प्रेरित करता है। अपेक्षित प्रतिक्रियाशील एनसीओ यूरिया बॉंड फारमेशन प्राप्त करने के लिए चैन एक्सटेंडर अमीनो ग्रुप से प्रतिक्रिया करने के लिए उपलब्ध नहीं होगा। इस घटना के फलस्वरूप पोलिमर मोलिक्यूलर वजन में कमी, अशुद्धताओं का निर्माण और उस प्रकार से लिंकेज में चैन डिसोसिएशन होता है। इस कारण से यह महत्वपूर्ण है कि अपेक्षित उत्कृष्ट उत्पाद बनाने के लिए विनिर्देश के भीतर अम्लीयता को सीमित किया जाए।
- iv. खारापन के मानदंड के संबंध में प्राधिकारी आवेदक के अनुरोध को नोट करते हैं कि अपेक्षाकृत अधिक अम्लीयता वाले डीएमएसी का आशय अल्कलाइन पदार्थों की अपेक्षाकृत अधिक मात्रा के मौजूद होने का सूचक है, यह प्रीपोलिमर के एनसीओ ग्रुप से प्रतिक्रिया करता है और यह अनुपयुक्त मध्यवर्ती का निर्माण करता है जिससे माइक्रो अशुद्धताएं उत्पन्न होती हैं। प्रीपोलिमर के एनसीओ ग्रुप के लिए अपेक्षित अमाइन की मात्रा में बहुत हद तक कमी आएगी क्योंकि अम्लीयता से संबंधित पदार्थ एनसीओ के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। यह प्रतिक्रिया संबंधी तंत्र में बदलाव लाता है और पोलिमर मोलिक्यूलर वजन में कटौती करता है। इसके अलावा, यह पोलिमर मोरफोलॉजी संरचना में परिवर्तन लाता है। इसका कारण से अम्लीयता को विनिर्देश के भीतर अपेक्षित उत्पाद बनाने के लिए सीमित करना महत्वपूर्ण है।

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विरोधी घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. बालाजी अमाइन्स ने यह दावा किया है कि विशिष्ट संवाहकता जैसे गुणों का उल्लेख आवेदक द्वारा मै. बालाजी अमाइन्स को पूर्व में किए गए पत्राचार में एक आवश्यकता के रूप में बिल्कुल ही नहीं किया गया था और न ही वे वर्तमान एमटीआर के पैरा 5 में यथा-निर्दिष्ट वर्तमान एमटीआर के क्षेत्र का हिस्सा है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स को 2015 में भेजे गए पत्र को प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होंने अपेक्षित मानदंड के रूप में संवाहकता का उल्लेख किया। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नमूने के परीक्षण के संबंध में पत्राचार घरेलू उद्योग और आवेदक के बीच 2019 के दौरान हुआ है। आवेदक ने मै. बालाजी अमाइन्स के साथ दिनांक 27 अप्रैल, 2019 को भेजा गया पत्र भी प्रस्तुत किया है जिसे वर्तमान एमटीआर जांचों की शुरुआत होने के पूर्व भेजा गया था।
19. भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक के इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने कभी भी प्रयोक्ता आधारित बहिर्गमन नहीं किया है और प्राधिकारी यह मानते हैं कि विगत में भी प्राधिकारी ने प्रयोक्ता उद्योग द्वारा विश्वसनीय उपयोग के लिए विशिष्ट उत्पादों/उत्पाद ग्रेडों को बाहर किया है। “चीन जन. गण., कोरिया, यूरोपीय यूनियन, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाईलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट के उत्पादों” के आयातों के संबंध में दिनांक 18.8.2017 को की गई प्रवंचनारोधी जांच में, प्राधिकारी ने सही

प्रयोक्ताओं की एक श्रेणी द्वारा उपयोग किए जाने के लिए निर्धारित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क बाहर किया है। आवेदक ने प्रयोक्ता आधारित छूट को न्यायोचित ठहराने के लिए एमडीआई और पीटी एमईजी के आयातों पर आयात शुल्क में छूट दिए जाने को दर्शाते हुए दिनांक 17 मार्च, 2012 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 12/2012 और 11 जुलाई, 2014 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 12/2014 की प्रतियां भी प्रस्तुत की हैं। प्राधिकारी प्रवंचना के माध्यम से पाटनरोधी उपाय के संभावित दुरुपयोग यदि विचाराधीन उत्पाद के विशेष श्रेणी को छूट दी गई थी, द्वारा आशंका को भी नोट करते हैं।

20. विरोधी घरेलू उत्पादक के इस तर्क के संबंध में कि याचिकाकर्ता को अपने उत्पादन के लिए कम शुद्धता वाले उत्पाद की आवश्यकता होती है और यह कि घरेलू उद्योग 99.9 प्रतिशत शुद्धता के साथ संबद्ध वस्तुओं जिसकी आवश्यकता फार्मास्युटिकल क्षेत्र में होती है, का उत्पादन कर सकता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फार्मा उद्योग की आवश्यकताओं के विपरीत, संबद्ध वस्तुओं का विरोध आवेदक द्वारा इस आधार पर किया गया है कि इसमें माइक्रो स्तर की अशुद्धताएं होती हैं जिसके फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की संवाहकता अपेक्षाकृत अधिक हो जाती है तथा जिसके फलस्वरूप कार्यात्मक समूहों के साथ अवांछनीय प्रतिक्रिया होती है जो स्पेन्डेक्स के निर्माण की प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है।
21. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच में आवेदक की आवश्यकता की तुलना में विचाराधीन उत्पाद की मांग जांच की अवधि (1 अप्रैल, 2015 – 30 सितंबर, 2016) में 7912 मी.टन थी। पिछले तीन वर्षों के दौरान मांग 7500 मी.टन से 10000 मी.टन के बीच रही। आवेदक ने कभी भी किसी भी घरेलू उत्पादक से संबद्ध वस्तुओं की खरीद नहीं की और उसमें आयातों पर भरोसा किया है जो 2015-16 में लगभग *** मी.टन, 2016-17 में *** मी.टन, 2017-18 में *** मी.टन और 2018-19 में *** मी.टन थी। 2019-20 के दौरान, यह पहले छह महीने में लगभग *** मी.टन थी। आवेदक द्वारा किए गए आयातों का हिस्सा इस देश में मांग का 10 प्रतिशत से कम है।
22. विचाराधीन उत्पाद के अपेक्षित तकनीकी विनिर्देश होने को देखते हुए आवेदक द्वारा आयातों पर निर्भरता की अनिवार्यता का आंकलन करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने निम्नलिखित पहलुओं पर विचार किया:
(क) **वाणिज्यिक पहलू**
23. घरेलू उद्योग द्वारा भारत में देखी गई विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमत (पाटनरोधी शुल्क लगाने के पहले और उसके बाद) तथा संबद्ध तथा असंबद्ध देशों से याचिकाकर्ता द्वारा आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद के ग्रेड का पहुंच मूल्य नीचे दर्शाया गया:

सहयोगी घरेलू उत्पादक की विचाराधीन उत्पाद की निबल बिक्री कीमत

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (सितंबर 19 तक)
निबल बिक्री कीमत- रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
सूची	100	97	113	156	134

आवेदक द्वारा विचाराधीन उत्पाद का आयात

देश	2015-16		2016-17		2017-18		2018-19		2019-20 (दिसंबर 19 तक)	
	मात्रा. (मी.टन)	रु./किग्रा.	मात्रा. (मी.टन)	रु./किग्रा.	मात्रा. (मी.टन)	रु./किग्रा.	मात्रा. (मी.टन)	रु./किग्रा.	मात्रा. (मी.टन)	रु./किग्रा.

बेल्जियम	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
चीन	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
जापान	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
तुर्की	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***

- i. प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों अर्थात् चीन और तुर्की जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है के अलावा, आवेदक ने पिछले तीन वर्षों में अन्य असंबद्ध देशों अर्थात् जापान और बेल्जियम से संबद्ध वस्तुओं का काफी मात्रा में आयात भी किया है।
- ii. प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक ने अपेक्षित तकनीकी विनिर्देशों वाले संबद्ध वस्तुओं की अनुपलब्धता के कारण घरेलू उद्योग के किसी भी संबद्ध वस्तु की कभी भी खरीद नहीं की है। हालांकि, आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि यदि कीमतों पर विचार किए बिना अपेक्षित विनिर्देशों वाले संबद्ध वस्तु उन्हें उपलब्ध कराई जाती तब वे घरेलू उद्योग से संबद्ध वस्तुओं की खरीद की होती।

(ख) तकनीकी पहलू

24. प्राधिकारी ने स्पेन्डेक्स प्रक्रिया के माध्यम से इलास्टोमेरिक यार्न के निर्माण के लिए अपेक्षित डीएमएसी के तकनीकी विनिर्देश का विश्लेषण करने के लिए आईआईटी, दिल्ली के टेक्सटाइल एंड फाइबर इंजीनियरिंग विभाग से अनुरोध किया। आईआईटी दिल्ली द्वारा दिए गए तकनीकी इनपुट्स यह दर्शाते हैं कि फाइबर ग्रेड के पालीयूरेटेन का उत्पादन करने के लिए विशिष्ट तकनीकी मानदंड वाले डीएमएसी की आवश्यकता है।

प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

आवेदक (एपीजेएसएलजी द्वारा) का अनुरोध:

25. विचाराधीन उत्पाद के दायरे से तकनीकी विनिर्देशों का अपवर्जन करने के लिए विचाराधीन उत्पाद को फिर से परिभाषित किया जाए।
26. बालाजी की बिक्री कीमतें देश में संबद्ध वस्तुओं की वर्तमान कीमतों को नहीं दर्शाती है विशेषकर जब देश में एक अन्य घरेलू उत्पादक मौजूद हो और इस कारण से बालाजी की बिक्री कीमत के आधार पर जांच के वाणिज्यिक पहलुओं से संबंधित कोई निष्कर्ष निकालना पर्याप्त नहीं होगा।
27. आयात आवेदक के वाणिज्यिक निर्णयों का हिस्सा नहीं बनता है बल्कि वे संबद्ध वस्तुओं जो आवेदक द्वारा अपेक्षित है क्योंकि संबद्ध वस्तु अत्यधिक तकनीकी प्रकृति की हैं और आवेदक उनकी खरीद तकनीकी उपयुक्तता सुनिश्चित करने के बाद ही करता है, उपलब्ध कराने के लिए घरेलू उत्पादकों की तकनीकी असमर्थता के कारण आवश्यकता के रूप में खरे होते हैं। 2016 में आवेदक ने अक्किम, तुर्की के द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं को इस कारण से अस्वीकार किया था कि उनमें नमी की मात्रा 0.017 प्रतिशत थी जबकि यह 0.01 प्रतिशत होनी अपेक्षित थी।
28. आवेदक ने बालाजी से विशिष्ट तकनीकी मानदंडों वाली संबद्ध वस्तुओं की खरीद करने की कोशिश की है और 2015 से पत्र-व्यवहार किया गया था, हालांकि बालाजी उसे उपलब्ध नहीं करा पाया।
29. आवेदक का डीएमएसी की गुणवत्ता संबंधी आंकड़े और इसके साथ ही विश्लेषण का प्रमाण-पत्र (सीओए) तथा आवेदक द्वारा 2017, 2018 और 2019 में किए गए आयातों के लिए बीजक वर्तमान मध्यावधि समीक्षा के अध्यधीन मानदंडों को दर्शाते हैं।
30. दिनांक 05.02.2020 की जांच रिपोर्ट यह दर्शाती है कि मै. बालाजी द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं में संवाहकता और खारापन जैसे अपेक्षित मानदंडों का अनुपालन नहीं हो सका।
31. आवेदक द्वारा यह प्रस्ताव किया जाता है कि “चीन जन.गण, कोरिया, यूरोपीय यूनियन, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाईलैंड और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए स्टेनलेस स्टील के “कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों” के

मामले की तरह एक प्रयोक्ता आधारित छूट वर्तमान मामले में दी जाए और एक घोषणा-पत्र भी उपलब्ध कराया जाए कि प्रामाणिक उपयोग को दिनांक 20.03.2018 की सदृश्य सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 12/2018-सीमा शुल्क (एडीडी) के साथ-साथ दिनांक 21.2.2018 की अधिसूचना सं. 14/41/2016-डीजीएडी से छूट दी जाएगी।

भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक अर्थात् मै. बालाजी अमाइन्स लि. (एम.एस.पोथल द्वारा) का अनुरोध

32. दिनांक 25.01.2020 की जांच रिपोर्ट स्पष्ट रूप से इसकी पुष्टि करती है कि बालाजी अमाइन्स लि. द्वारा उत्पादित डीएमएसी आवेदक द्वारा अपेक्षित तकनीकी विनिर्देशों को पूरा करता है। हालांकि उक्त जांच रिपोर्ट का निवारण प्रकटन विवरण में नहीं किया गया है और घरेलू उद्योग को उक्त रिपोर्ट का खंडन करते हुए किसी अनुरोध/जांच की जानकारी नहीं है।
33. जब आयात किए गए उत्पाद डीएमएसी को पाटनरोधी अधिसूचना में परिभाषित किया जाता है तब उत्पाद के दायरे से अपवर्जन याचिकाकर्ता द्वारा अपेक्षित विशिष्ट विनिर्देशों के आधार पर नहीं किया जा सकता है।
34. याचिकाकर्ता की आवश्यकताओं पर तब विचार किया गया था जब उन्होंने बालाजी से डीएमएसी की खरीद करने में रुचि दर्शाई और यह समझा गया था कि उसे मौजूदा विनिर्माण प्रक्रिया में कुछ सुधार करने के बाद उपलब्ध कराया जा सकता है।
35. मूल जांच में विदेशी उत्पादकों ने यह माना था कि उनके द्वारा आपूर्ति की गई तथा घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई डीएमएसी एक जैसी वस्तुएं थीं।
36. याचिकाकर्ता यह तर्क नहीं दे सकते हैं कि दिनांक 25.1.2020 की जांच-रिपोर्ट जांच की शुरुआत के बाद हुई है और इसका कोई प्रबोधक मूल्य नहीं है और यह रिपोर्ट समय के द्वारा बाधित नहीं है क्योंकि इस जांच के लिए कोई जांच अवधियां निर्धारित नहीं थी और इन पक्षकारों के बीच समझौते की प्रक्रिया जांच की शुरुआत के बाद भी जारी थी।
37. याचिकाकर्ता ने हमेशा आयात को प्रधानता दी थी और वास्तव में वह कंपनी से संपर्क करने के लिए कभी भी तैयार नहीं था।
38. स्पेन्डेक्स प्रक्रिया के माध्यम से इलास्टोमेरिक यार्न के निर्माण के लिए अपेक्षित डीएमएसी की तकनीकी विनिर्देश का विश्लेषण करने के लिए वस्त्र और फाइबर इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, दिल्ली द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट की प्रति बालाजी को उपलब्ध नहीं कराई गई थी। यदि प्राधिकारी बालाजी द्वारा उत्पादित डीएमएसी और याचिकाकर्ता द्वारा आयात किए गए डीएमएसी के नमूने ऐसे संस्थानों को तुलना के उद्देश्य से भेजे होते तब यह बेहतर हुआ होता।
39. याचिकाकर्ता द्वारा उपयोग किए जाने वाले डीएमएसी अथवा पाटनरोधी शुल्क के दायरे से स्पेन्डेक्स यार्न उत्पादकों द्वारा किसी अपवर्जन के फलस्वरूप लागू शुल्कों की बहुत अधिक प्रवृत्ति होगी। उदाहरण के लिए, यदि स्पेन्डेक्स यार्न के लिए उपयोग की जाने वाली डीएमएसी का अपवर्जन किया जाता है तब फार्मास्युटिकल अथवा अन्य क्षेत्र में प्रयोक्ता को भी ऐसी सामग्री प्राप्त होनी शुरू हो सकती है जो किसी भी प्रकार से उनकी आवश्यकताओं को हानि नहीं पहुंचाएगी। इस प्रकार से, सुविधा का संतुलन विचाराधीन उत्पाद के दायरे से किसी प्रकार का अपवर्जन नहीं करने में है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

40. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद 'डाइमिथाइलेसेटामाईड' [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड] था। डाइमिथाइलेसेटामाईड फार्मूला सीएच₃सी (ओ) एन (सीएच₃)₂ के साथ आर्गेनिक कंपाउंड है और इसका रासायनिक नाम "एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड" है। डीएमएसी जैसे संक्षिप्त रूप का भी सामान्य रूप से उपयोग बाजार की बातचीत में विचाराधीन उत्पाद को दर्शाने के लिए किया जाता है। यह एक स्पष्ट, रंग-रहित से पीला तरल जल में घुलनीय पदार्थ तथा एक पीले अमाइन की तरह अन्य आर्गेनिक पदार्थ अथवा अमोनिया की तरह गंध वाला पदार्थ है।
41. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा का अनुरोध निम्नलिखित तकनीकी विनिर्देश वाले "डाइमिथाइलेसेटामाईड" [एन,एन – डाइमिथाइलेसेटामाईड] (डीएमएसी) के विशिष्ट ग्रेड के अपवर्जन के लिए किया जाता है:

- i. न्यूनतम शुद्धता (99.9 प्रतिशत न्यूनतम) और खारापन का अधिकतम स्तर (0.003 प्रतिशत अधिकतम)
 - ii. अम्लीयता का अधिकतम स्तर (0.005 प्रतिशत अधिकतम)
 - iii. अधिकतम आयरन पीपीएम (0.05) के रूप में
 - iv. अधिकतम जल (0.01 प्रतिशत अधिकतम)
 - v. संवाहकता (0.1 माइक्रो-सीमन्स/सीएम अधिकतम)
42. अतः वर्तमान समीक्षा मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से उपर्युक्त उत्पाद का अपवर्जन करने की आवश्यकता की जांच करने के सीमित उद्देश्य से है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि आवेदक ने मूल जांच में भाग नहीं लिया।
 43. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत संबंधी अधिसूचना में जल की अधिकतम मात्रा का गलती से उल्लेख 0.2 प्रतिशत अधिकतम के रूप में किया गया है जिसे सही किया जाना चाहिए ताकि उसे जल की अधिकतम मात्रा (0.01 प्रतिशत अधिक अथवा 100 पीपीएम) के रूप में पढ़ा जा सके।
 44. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एकमात्र भाग लेने वाले घरेलू उत्पादक ने प्रारंभिक रूप से यह माना कि वे अधिकांशतः फार्मास्युटिकल कंपनियों को आपूर्ति करते हैं और फार्मा क्षेत्र में शुद्धता की आवश्यकताएं अपेक्षाकृत अधिक हैं।
 45. प्राधिकारी यह नोट करते हैं स्पेन्डेक्स उद्योग की स्पेन्डेक्स फाइबर के निर्माण के लिए शुद्धता, जल की मात्रा और संवाहकता आदि जैसे मानदंडों के संबंधी इसकी विशिष्ट आवश्यकताएं हैं जो फार्मास्युटिकल से अलग हैं।
 46. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आईआईटी-दिल्ली की विश्लेषण रिपोर्ट भी स्पेन्डेक्स फाइबर के निर्माण के लिए डीएमएसी के विशेष ग्रेड की तकनीकी आवश्यकताओं का समर्थन करती है।
 47. यह नोट किया जाता है कि रिकॉर्ड पर साक्ष्य यह सुझाव देता है कि घरेलू उत्पादक के साथ स्पेन्डेक्स यार्न के निर्माण के लिए अपेक्षित ग्रेड की डीएमएसी का उत्पादन करने के लिए क्षमता नहीं है।

निष्कर्ष

48. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि स्पेन्डेक्स उद्योग के लिए अपेक्षित डीएमएसी का विशेष ग्रेड है।
49. उपर्युक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का तकनीकी विनिर्देश आधारित अपवर्जन स्पेन्डेक्स फाइबर के उत्पादकों की विशिष्ट आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपेक्षित है।
50. उत्पाद अपवर्जन केवल वास्तविक प्रयोक्ताओं विशेष रूप से वास्तविक स्पेन्डेक्स यार्न निर्माण तक ही सीमित रहेगा जब इसका आयात स्पेन्डेक्स यार्न के निर्माण के लिए किया जाता हो। वास्तविक प्रयोक्ता, प्रामाणिक उपयोग के संबंध में आयात के समय सीमा-शुल्क को इस संबंध में घोषणा-पत्रों को उपलब्ध कराएंगे। वास्तविक प्रयोक्ता मांगे जाने पर, किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी के समक्ष प्रस्तुति के लिए सत्यापन योग्य उपभोग रजिस्टर के रूप में मासिक रिकॉर्ड भी रखेंगे।

सिफारिश

51. निम्नलिखित तकनीकी विनिर्देश वाले “डाइमिथाइलेसेटामाईड”[एन,एन- डाइमिथाइलेसेटामाईड] (डीएमएसी)”, जब उसका उद्देश्य स्पेन्डेक्स यार्न निर्माण में खपत हो तब उसे दिनांक 20.3.2018 की तद्वरूपी सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 12/2018-सीमा शुल्क (एडीडी) के साथ पठित दिनांक 21.02.2018 की अधिसूचना सं. 14/41/2016-डीजीएडी में विचाराधीन उत्पाद से अपवर्जित किया जाएगा।
 - i. न्यूनतम शुद्धता (99.9 प्रतिशत न्यूनतम) और खारापन का अधिकतम स्तर (0.003 प्रतिशत अधिकतम)

- ii. अम्लीयता का अधिकतम स्तर (0.005 प्रतिशत अधिकतम)
- iii. अधिकतम आयरन पीपीएम (0.05) के रूप में
- iv. अधिकतम जल (0.01 प्रतिशत अधिकतम अथवा 100 पीपीएम)
- v. संवाहकता (0.1 माइक्रो-सीमन्स/सीएम अधिकतम)

52. इन जांच परिणामों के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों के विरुद्ध अपील सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

बी.बी.स्वेन, विशेष सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDINGS

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th October, 2020

CASE NO. (MTR) 06/2019

Subject: Mid-Term Review, limited to the product scope of definitive Anti-Dumping duty imposed on Dimethylacetamide' [N,N-Dimethylacetamide] (DMAC) from China PR and Turkey.

F. No.7/11/2019-DGTR.—BACKGROUND

1. Vide Notification No.14/41/2016-DGAD dated 21.2.2018, the Designated Authority recommended imposition of definitive anti-dumping duty on imports of "Dimethylacetamide" [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC)" (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR and Turkey (hereinafter also referred to as the subject countries). The definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 12/2018-Customs (ADD) dated 20.3.2018.
2. F. No. 7/11/2019-DGTR M/s Indorama Industries Limited (hereinafter also referred to as the 'Applicant') has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the 'Authority') in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the 'Act') and the Customs Tariff(Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter referred to as the 'Rules') for initiation of limited mid-term review investigation concerning exclusion of Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC)" of specific grade having minimum purity of 99.9%, maximum alkalinity levels of 0.003%, maximum acidity levels of 0.005%, maximum iron ppm as 0.05, Maximum water content of 0.01%, claiming that the specific conductivity (20% vol aq soln) of the subject goods manufactured by the Domestic Industry is too high for using the same in the production of spandex.

PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Authority issued a public notice dated 17.07.2019 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating mid-term review of the anti-dumping investigation concerning import of the subject goods.
 - ii. The Authority informed the Embassy of China and Turkey in India about the initiation of the subject investigation requesting them to inform concerned exporters/producers about the same.
 - iii. The Authority made available copies of the non-confidential petition to M/s Balaji Amines and M/s Rashtriya Chemicals and Fertilisers Ltd, constituents of the domestic industry in the original investigation.
 - iv. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by other interested parties as per Rule 6 (7).

- v. The Authority examined the information furnished by the Applicant and the Domestic Industry to the extent possible to verify the claims made by the Applicant importer in its application.
- vi. Since the petition is for a limited purpose of exclusion of a certain type of product under consideration, the Authority is not required to evaluate the quantum of dumping and injury, therefore stipulation of POI is not required.
- vii. Further information was sought from the Applicant importer and the Domestic Industry to the extent deemed necessary. Verification of the data and claims of the Applicant importer was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- viii. Verification of data and claims of the Domestic Industry was also carried out to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- ix. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority also provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 30th August, 2019. Second and third public hearings were conducted on 5th December, 2019 and 7th August, 2020 respectively. Subsequently due to change of the Designated Authority, and keeping in view the direction passed by the Hon'ble Supreme Court in the case of Automotive Tyre Manufacturer Association (ATMA) vs Designated Authority, in Civil Appeal No. 949 of 2006 on 07-01-2011, the parties, who presented their views in the oral hearings, were requested to file written submissions of their views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- x. A Disclosure Statement was issued on 18.8.2020 containing the essential facts under consideration of the Designated Authority, thereby granting time to the interested parties up to 21.8.2020 to furnish their comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has examined the post disclosure comments received from the interested parties.
- xi. '***' in these final findings represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

Submissions made by the Applicant

4. The submissions made by the Applicant are as follows:
 - a. The product under consideration defined in the original investigation was 'Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide]. Dimethylacetamide is a compound with the formula $\text{CH}_3\text{C}(\text{O})\text{N}(\text{CH}_3)_2$ and bears the chemical nomenclature 'N, NDimethylacetamide'. Abbreviations like DMAC is also normally used to denote the product under consideration in the market parlance. It is a clear, colourless-to-yellow liquid soluble in water and other organic substances with a pale amine like or ammoniac odour. Subject goods are classified under customs heading 292419000.
 - b. The Applicant has sought exclusion of a particular grade of DMAC which is not produced by the domestic Industry and at the same time is critical to the manufacturing of elastomeric yarn (spandex). Some of the issues submitted by the Applicant with respect to the product are given as under:
 - i. DMAC produced by the Domestic Industry is of lower purity. Test results of Rashtriya Fertilizer and M/s Balaji Amines show that the purity offered by them is below 99.9%.
 - ii. Certificate of Analysis (COA) provided by Rashtriya Fertilizer and M/s Balaji Amines does not indicate the alkalinity which is extremely critical for our application.
 - iii. Test results of DMAC produced by Rashtriya Fertilizer and M/s Balaji Amines show acidity levels higher than 0.01%. As per the International Standards, these levels are very high and cannot be used in the production of elastomeric yarns.
 - iv. Specifications of the domestic industry and their test results show that the water (moisture) content is much higher than the prescribed content under the International Standards for elastomeric yarns. As indicated in our application as well as in the correspondence with M/s Balaji Amines, it has been clarified that the moisture content has to be below 0.01% (100 ppm). It is understood that the domestic industry is not in a position to supply anything below 0.2% moisture content.
 - v. DMAC colour (APHA) is not given in the Certificate of Analysis of M/s Balaji Amines whereas it is a critical parameter for being used in production of elastomeric yarns.
 - vi. PH (20% volaqsoln) is also not given in the Certificate of Analysis of M/s Balaji Amines. This is also a critical parameter for use in production of elastomeric yarns.
 - vii. For the production of elastomeric yarns, the DMAC must have conductivity of 0.1 microsemens/cm, whereas, the specification and test results in respect of Rashtriya Fertilizers reflect

much higher conductivity i.e., 4-5%. As regards M/s Balaji Amines, the COA does not even refer to conductivity as a parameter.

- c. The said product is used for the production of elastomeric yarns in the country. The specific grounds for seeking the exclusion of the above product submitted by the Applicant are as under:
- i. That the Domestic Industry has admittedly not produced the said grade during the period of investigation.
 - ii. That they are not in a position to supply the said product to the domestic user industry.
 - iii. That the said products are technically or commercially not substitutable with the goods produced by the Domestic Industry.
 - iv. That the Domestic Industry itself has admitted that they are not in a position to supply the said grade. Sufficient evidence indicating their technical and commercial inability to supply the said grade is also attached with this application.
 - v. That the Domestic Industry does not even intend to produce and supply the required grade of DMAC.
- d. The above stated position is confirmed by the fact that despite repeated efforts by the Applicant throughout the years, neither of the domestic producers has been able to supply the subject goods to the Applicant or even make a positive offer which could meet the specification required by the Applicant.
- e. In para 4 of the initiation notification, the maximum water content has been mistakenly written as 0.2% max instead of 0.01% max. This is an apparent typographical error. In fact, the initiation notification itself in para 6(b) under 'grounds of review' clarifies that the water content requirement of the Applicant is 0.01% max.
- f. The water content specification as required by the Applicant is 0.01% max and not 0.2% max. The various communications with the sole respondent, the application as well as the initiation notification clearly indicate that there has been a typographical error on the face of the records.
- g. The sole participating domestic producer has attempted to build a narrative that the requirements such as conductivity and alkalinity etc were not pointed out as a requirement by the Applicant in its earlier communications with M/s Balaji Amines, and neither are they a part of the scope of present the MTR. The Applicant submits that the participating domestic producer is trying to mislead the Authority by giving misleading information in the context of the communications made with the Applicant regarding the product specifications. The Applicant has specifically communicated to M/s Balaji Amines its product requirements, including the requirements with respect to moisture and specific conductivity. In fact, on 10.05.2019, the Manager Marketing of M/s Balaji Amines, Mr. S.D. Patel had specifically requested the Applicant to share the MOA (memorandum of analysis) for alkalinity and the conductivity parameters. Further, a reminder mail was sent by the representative of M/s Balaji Amines on 11.05.2019 again requesting for the same information. In response to the requests of M/s Balaji Amines, the Applicant sent the test procedures for testing conductivity and alkalinity on 11.05.2019.
- h. M/s Balaji Amines specifically asked the Applicant for ways to lower down the specific conductivity. In response to their enquiry, on 16.05.2019, the Applicant shared the specifications of resin required to lower down the conductivity of the subject goods. This clearly indicates that the issue of conductivity was always a part of the issues involved.
- i. The Authority may also note that all these communications with M/s Balaji Amines are made prior to the initiation of the present proceedings. In such a scenario, the submission of M/s Balaji Amines that requirements such as Specific Conductivity (20% vol aq soln), alkalinity etc were not pointed out as a requirement by the Applicant in its earlier communications with M/s Balaji Amines, is patently misleading.
- j. As regards the submission of M/s Balaji that the requirements such as Specific Conductivity (20% vol aq soln), Conductivity etc. are not covered under the product scope, the Applicant submits that the Grounds of Review in para 6(d) of the initiation notification clearly cover specific conductivity as a ground of review. In such a scenario the submission of M/s Balaji Amines in this regard is wrong and fallacious and is liable to be rejected. Without prejudice, the contention of the domestic producer is without any legal basis. An initiation notification contains only the prima facie information with regard to the grounds of review and the final decision of the Authority is an outcome of the detailed investigation by the Authority on factual as well as legal premises.
- k. As regards the claim of the participating domestic producer that DMAC produced and sold by M/s Balaji Amines has comparable features with the DMAC produced and exported from China PR and Turkey, it is stated that the subject goods produced by M/s Balaji Amines do not meet with the requirements of the

Applicant on various counts such as color, moisture content, alkalinity, conductivity etc. The Applicant has been trying to buy the subject goods from M/s Balaji Amines since long and M/s Balaji Amines has not been able to provide the subject goods with required specifications. As per latest sample analysis report, the conductivity and alkalinity is higher than acceptance limit.

- l. To substantiate its contention, the Applicant submitted copy of its communication dated 10.07.2015 to M/s Balaji Amines wherein the Applicant requested them to provide their specifications with respect to various parameters including alkalinity, moisture content, specific conductivity etc. The Applicant also submitted a copy of the certificate of analysis (COA) issued by M/s Balaji Amines dated 11.07.2015 wherein M/s Balaji allegedly failed to provide the subject goods with specifications pertaining to various parameters such as alkalinity, iron content and specific conductivity.
- m. The submission of M/s Balaji Amines that DMAC produced and sold by M/s Balaji Amines has comparable features with the DMAC produced and exported from China PR and Turkey is without any basis and remains unsubstantiated. The Applicant requires DMAC with specific technical specifications for the production of elastomeric yarns (spandex). The Applicant needs the subject goods with specific technical specifications as provided by the technology provider. In fact, it is for this reason that the Applicant has been importing the subject goods by paying the anti-dumping duties even after the imposition of duties. To substantiate this claim, the Applicant submitted the DMAC technical specification requirements as provided by the technology provider. The Applicant also submitted a brief write-up on the significance of moisture, conductivity, Acidity and Alkalinity of the DMAC.
- n. Another manufacturer in the country i.e. M/s Hyosung Corporation has started producing spandex yarn and test report confirms that the samples of DMAC supplied by M/s Balaji Amines failed on conductivity and water content parameters.
- o. As regards the product brochure of Akkim, Turkey enclosed by M/s Balaji Amines in their written submissions, the said product brochure is listing out the general specifications of the subject goods only. M/s Balaji Amines has not informed the Authority that even Akkim specifies the detailed technical specifications wherever the users require the subject goods with such specific technical specifications. In this context, the Applicant has also been a regular importer of Akkim, Turkey for the subject goods with specific technical parameters and that even Akkim provides the subject goods with specific technical specifications with respect to various parameters such as Alkalinity, Iron content, color, specific conductivity etc. Applicant submitted commercial invoices of M/s Akkim from Turkey along with specific technical specifications with respect to the said parameters in order to substantiate their claims.
- p. In 2016, the Applicant rejected the goods supplied by M/s Akkim, Turkey only because the moisture content in the lot was 0.017% instead of 0.01%. The said rejection of the goods supplied by the exporter happened even before the duties were imposed on the subject goods. The applicant submitted relevant documents substantiating the rejection of the product supplied by M/s Akkim, Turkey.
- q. In response to the claim of the participating domestic producer that the Applicant has not demonstrated that the subject goods, they are concerned with is 'not a like article' to DMAC as defined in the original investigation. The Applicant submitted that M/s Balaji Amines has misunderstood the contention and the basis of the Applicant for requesting the product exclusion, both legally and factually. The Applicant is seeking exclusion of a particular grade of DMAC on the ground that the same is not manufactured by the Domestic Industry and, therefore, it ought to have been excluded as per the consistent practice of the Authority. When the domestic industry does not manufacture a product with technical specifications as required by the Applicant, there is no reason as to why the Applicant should be forced to pay anti-dumping duties. The fact that the Applicant is seeking a 'product exclusion' by itself indicates that the product specification for which exclusion is sought by the Applicant is like article to the product on which duties have been imposed. Needless to say that an 'unlike article' would never form a part of the Product under Consideration in the first place and, therefore, cannot be subject to anti-dumping duties.

Submissions made by the Participating Domestic Producer

- a. Properties such as specific conductivity (20% vol aq soln), water content etc were not pointed out as a requirement at all in the earlier communications made by the Applicant to M/s Balaji Amines nor are they part of the scope of the present MTR as specified in para 5 of the present MTR.
- b. DMAC is used in many user segments such as pharmaceuticals, textiles etc. and the requirements of specific users may vary in terms of their purity etc. However, that is how the product is produced and supplied by the producers. The production of the product is not restricted to any particular user segment and every user can approach any DMAC producer to get the product of his choice. Thus, DMAC offered by producers, be it in India or foreign countries, do meet such requirements as specified by the users and such variations are only a matter of fine tuning in the manufacturing and it is not that certain producers can only offer certain type of DMAC and certain producers cannot offer any such particular type.

- c. The product brochure of Akkim, Turkey shows that the company showcases two major types in its brochure wherein one is pharmaceutical quality and the other is textile quality. The brochure also shows that the highest purity requirement of min 99.9% is seen in pharmaceutical segment and the purity associated with textile is only min 99.6%. M/s Balaji Amines supplies largely to pharmaceutical companies wherein the purity requirements are higher which alone reflects that the contention that the Applicant is not getting min 99.9% purity material in India is a baseless allegation. Applicant in fact requires the material for a textile product. Though the Applicant talked about international standards for Spandex yarn for Elastomeric Yarn, no such document is provided to the Authority.
- d. The contention of the legal representatives of the Applicant that the spandex/elastomeric yarn industry does not come under “textile industry” but instead comes under petrochemical sector is false. The Applicant states in their website that the spandex yarn produced by the company was sold to the textile industry which means spandex yarn is an input for the textile industry. There are two major user segments for DMAC. One is for pharmaceutical and the other one is textile. Spandex yarn being in the textile segment, the DMAC requirement would be in the range of 99.6% for the spandex yarn producers whereas M/s Balaji Amines is supplying to a more niche segment like pharmaceutical where the purity requirement is 99.9%.
- e. Conductivity requirements are not intrinsic to DMAC. Such requirements may arise in case of various chemicals etc, but it is not a parameter defined in the production of DMAC in any specific manner. Conductivity is understood to be the degree to which a specified material conducts electricity, calculated as the ratio of the current density in the material to the electric field which causes the flow of current and such a character in a given range cannot be seen as a factor involved in the basic property of DMAC invariably. It is a very general phenomenon and no exclusion should be warranted on grounds of conductivity which is not a parameter unique and intrinsic in the production of DMAC.
- f. The Applicant has not submitted the details of their imports, wherein conductivity parameters of DMAC were evident in the import documents. The Applicant must be asked to demonstrate based on verifiable documentary evidences that the DMAC they imported, had a particular conductivity specification reflected in the import documents.
- g. The Applicant had submitted in the hearing that they do not question the ‘like article’ determination made by the Authority in the original case and there are no dispute on the comparability of the PUC imported and the like article domestically manufactured. Thus, the dispute is apparently limited to the contention that Applicant could not source the specification mentioned in para 4 and 5 of the initiation notification which we have already denied. Appropriate test reports are already submitted.
- h. The Applicant has not demonstrated that the subject product they are concerned with is 'not a like article' to DMAC as defined for the purpose of Anti-dumping duties in Notification No.12/2018-Customs dated 20.3.2018.
- i. The products mentioned by the Applicant are only inter se types of DMAC defined as PUC in the relevant AD Duty notifications and all such specifications are achieved by the Indian producers of DMAC as per the needs of the users. It is part of regular manufacturing of DMAC and there is no difficulty in achieving such specifications. In fact, M/s Balaji Amines already supplies DMAC with such specification to many users. It is just that the Applicant here is unwilling to buy from M/s Balaji Amines as their intention is to get the DMAC once again at dumped and throw away prices and have been falsely alleging that the DMAC produced by the Indian producers cannot meet their demand. Even the test reports submitted are misleading. The DMAC is produced at different purity worldwide and niche specification for a particular user is achieved based on their request by fine tuning the production which is a process, regularly done by the producers. They are in a position to supply DMAC with the specifications required by the applicant.
- j. The exclusion of DMAC with such specifications has no justification. Firstly, they are only inter se types of DMAC defined as PUC and not any different or dislike article per se. Secondly, the domestic industry is supplying DMAC with all such specifications and the allegations to the contrary are bereft of any merit. M/s Balaji has the capacity to produce DMAC with such specifications as pointed out by the Applicant. M/s Balaji Amines has carried out a laboratory test of its DMAC and the result of the same was enclosed with the earlier submission. The report shows that the DMAC produced by M/s Balaji Amines meets all specifications as required by the Applicant. Thus, the exclusion of types such as Minimum Purity (99.9% min.) and Maximum Alkalinity level (0.003% max), Maximum Acidity level (0.005% max), Maximum iron ppm as (0.05), Maximum Water (0.2% max) do not warrant any exclusion.
- k. It is not a correct statement that M/s Balaji Amines is not producing the PUC with the technical specification required by the applicant. The Authority may note that the test reports are the evidence on which Balaji Amines Ltd can rely upon to submit before the Authority that the Company is in a position to supply DMAC with the specifications required by the Applicant.

1. The Authority may conduct any required verification or test to examine the factual position of the issue at hand. In fact, the Applicant has been changing the required specifications of the subject product frequently which shows the intention of the Applicant is only to avoid the duties and there are no merits in their contentions.

Examination by the Authority

5. The para 4 of the initiation notification mentioned exclusion of specific grade of Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC)" having the following technical specification:
 - i. Minimum Purity (99.9% min.) and Maximum Alkalinity level (0.003% max)
 - ii. Maximum Acidity level (0.005% max)
 - iii. Maximum iron ppm as (0.05)
 - iv. Maximum Water (0.2% max)
6. Further, para 6 of the initiation notification, under the heading "grounds of review" mentioned the following parameters as grounds of review:
 - a) DMAC produced by the Domestic Industry is of lower purity. Test results of Rashtriya fertilizer Ltd. and M/s Balaji Amines shows that the purity offered by them is below than 99.9%.
 - b) Water content specification and test results of Rashtriya fertilizer and M/s Balaji Amines are much higher than 0.01% the international standards for Spandex
 - c) Test results of DMAC produced by Rashtriya fertilizer Ltd. and M/s Balaji Amines show acidity levels higher than 0.01%. As per International Standards for Spandex, these levels are very high for producing Elastomeric Yarns.
 - d) Specific conductivity (20% vol aq soln) specification is much higher of Rashtriya fertilizer and conductivity test results is not given in certificate of analysis (CoA) of M/s Balaji Amines.
7. During the investigation, it was pointed out by the Applicant that the maximum water requirement mentioned in para 4 as 0.2% max appears to be a typographical error. It was also pointed out that the initiation notification itself in para 6(b) clarifies that the water content requirement of the Applicant is 0.01% max. The Applicant also notified that the Applicant requires the subject goods with conductivity of max 0.1 micro-semens/cm.
8. As regards, the claims of the opposing domestic producer that the properties such as specific conductivity were not pointed out as a requirement at all in the earlier communication by the Applicant to M/s Balaji Amines nor are they a part of the scope of the present MTR as specified in para 5 of the present MTR. The Authority holds that the Applicant has produced a communication made to M/s Balaji Amines as early as in 2015 wherein they specifically mentioned conductivity as a required parameter.
9. As regard the contention of the opposing domestic producer that the Applicant being in textile industry requires less purity product, the Authority holds that submission of the domestic producer does not have any merit since although the spandex/elastomeric yarns is used in the textile sector, the spandex/elastomeric yarn industry itself comes under petrochemical sector.
10. In any case, the Authority conducted on the spot verification of the Applicant's plant to understand the requirement of the Applicant in detail. During the verification, it was noted that the required conductivity of the subject goods required was lower than 0.1 micro-siemens/cm.
11. As regards the submission of M/s Balaji Amines that the Authority should check for the specifications such as conductivity from the test reports of the DMAC imported by the Applicant, the Authority notes that it examined the certificate of analysis and the test reports of the DMAC imported by the Applicant in selected months of last 4 years and it was noted that the parameters mentioned by the Applicant such as specific conductivity, min. water content etc. are always mentioned in the certificate of analysis and the test reports of the DMAC imported by the Applicant. Further, the specifications of subject goods imported by the Applicant have been in consonance with the parameters specified by the Applicant in its review application.
12. The Applicant also provided the specifications of DMAC for the production of Spandex as provided by the technology provider. The same is in consonance with the specifications specified by the Applicant in its application.

Submissions made by the Applicant importer

13. Further submissions made by the Applicant are as follows:
 - i. The application for imposition of duties was filed by two domestic producers, M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. (RCF) and M/s Balaji Amines Ltd. It is to be noted that only M/s Balaji Amines Ltd. has

- participated in the present review investigation. Under the present circumstances, the opposition to the application can, at best, be considered to have been made only on behalf of a single domestic producer namely M/s M/s Balaji Amines in view of the fact that M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. has not participated in the investigation. Accordingly, the Authority should hold that there is no opposition to the present application by the “Domestic Industry” as such.
- ii. While one of the two above-said domestic producer M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. did not at all cooperate with the Authority, the other domestic producer M/s. Balaji Amines Ltd. has also not participated in the investigation in good faith. As a matter of fact, the participating domestic producer has continuously impeded the investigation process by providing unsubstantiated statements and claims.
 - iii. In the present case, the Authority has thrice provided the opportunity to the parties to explain their claims/objections. However, on all three instances, no technical person from M/s. Balaji Amines Ltd., or for that matter, any person well versed with the technical/commercial aspects of the issues involved, considered it necessary to attend the hearing. It needs to be appreciated that the presence of the proper representative of the company M/s Balaji Amines was absolutely necessary as the grounds of review solely revolve around the technical specifications. It was incumbent upon the sole responding producer to assist the Authority in its decision-making process.
 - iv. As regards the contention of the opposing domestic producer that the Applicant has no *locus standi* to challenge the product scope when one of the producers/exporters from China PR i.e. Zhejiang Jiangshan Chemical Go., Ltd., who had cooperated with the Authority in the original investigation, also did not raise any issues regarding any product exclusion, the Applicant submits that in terms of Rule 23(1A), a request for review may be filed by any interested party including an importer or user. There is no distinction made among the different interested parties in the Rule or anywhere else in the law. When the Rules categorically bestow the right to seek mid-term review on all interested parties including the importers/users, the domestic producer’s submission to restrict the legal right of the Applicant, is completely devoid of any merit.
 - v. As already submitted by the Applicant, the Applicant requires specific grades of the product under consideration for the production of elastomeric yarns. The Applicant is the sole producer of the elastomeric yarns in the country. Therefore, the Chinese producer might not have known the differences in technical specifications of the products produced by it and the product produced by the domestic industry in the absence of any party before the Authority requiring the subject goods with specific technical specifications. It may be mentioned that the domestic producers, despite having full information about the name and address of the Applicant, provided wrong address of the Applicant in the petition. Further, the Applicant was having continuous discussions with the domestic producers for supply of required specifications of DMAC and the domestic producers were repeatedly assuring the Applicant that they will be able to supply the specifications required by the Applicant. Thus, it is clear that the Applicant could not participate in the original investigation for good reasons which, in any case, cannot curtail the right of the Applicant to seek a review under Rule 23(1A).
 - vi. The cooperating domestic producer has not understood the rationale or the premise for seeking the exclusion by the Applicant. It may be noted that the Applicant herein is not seeking user-based exclusion but the claim is based entirely on the inability of the Domestic Industry to produce DMAC of certain technical specifications which are used in a particular application. In this context, it is submitted that the Authority in a plethora of cases, has excluded certain product types based on several criteria including but not limited to non-production by the domestic producers.
 - vii. The Authority has always been considerate about the requirements of the user industries while including/excluding specific grade of products in the product under consideration. However, where the Domestic Industry apprehends any circumvention of anti-dumping duties, the Authority has granted user-based exclusions also. In fact, in the recent investigation concerning “Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA”, dated 18.08.2017, the Authority noted the need of not saddling the anti-dumping duties on the bonafide users of the product grade included in the product under consideration through anti-circumvention investigation.
 - viii. The exclusion of a product grade/type for the bonafide users is not something out of the book. Similar exclusions/exemptions have been given in other cases like met coke from China, Aluminium Radiators from China etc. In the present case, the Applicant has demonstrated that its requirement for specific product grade/specification is genuine and bonafide. The Applicant has also demonstrated that the domestic industry is not in a position to supply the specific product grade/specification as required by the Applicant. In such a scenario, it is critical for the Applicant that the Authority excludes the product grade/specification as mentioned above.

- ix. The Applicant has already demonstrated to the Authority during the visit of its officers to the plant of the Applicant on 01.09.2019 that the Applicant cannot use the subject goods produced by the domestic producers due to their inability to supply the specific grades/specification of the subject goods. The Applicant also demonstrated that there is a significant cost factor involved for the Applicant if it uses the goods produced by the domestic producers.

Submissions made by the participating domestic producer

14. The submissions made by the other interested parties are as follows:
 - i. The Applicant's contention that the non-participation of the M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. (RCF) should be held against the domestic industry holds no legal basis. The present MTR review is limited as stipulated in para 5 of the initiation notification and establishing conditions of Rule 2(b) is not essential in the present case. Nevertheless, M/s Balaji Amines Ltd. one of the producers of subject goods in India, whose production represents a major proportion in the total Indian production is cooperating with the Authority and have provided all relevant information to enable the present MTR investigation a seamless one.
 - ii. The Applicant, who is a user of DMAC, has no *locus standi* to challenge the product scope now when one of the producers/exporters from China PR i.e. Zhejiang Jiangshan Chemical Co., Ltd on whose product the Applicant has placed their reliance has cooperated with the Applicant.
 - iii. The Applicant in the oral hearing tried to tweak the above argument as if M/s Balaji Amines has submitted that the users as such are not entitled to make a product review application or they cannot dispute the product scope. The attempt has no merit. It is clarified that the issue is not that the users as such do not have the locus to raise concerns on scope of PUC etc. The issue is that the Applicant in the present matter does not have the locus as the concerned exporter from whom the Applicant is procuring the so called special grade DMAC had cooperated in the original matter and did not raise any issue on the scope of PUC and like article aspect. When the concerned producer/exporter found the products comparable a user eventually trying to create a difference in the product supplied by such foreign producer and the Indian companies have no legal sanctity.
 - iv. The Applicant has questioned the non-participation of technical personnel from the company in the hearing. The issue is totally baseless and has no substance. There is not even a single issue which was raised by the Applicant and not properly addressed by the legal representatives of M/s Balaji Amines.
 - v. The PUC definition or inclusion/exclusion is never done based on user requirements as the thumb rule is likeness with the imported product and such principles cannot be compromised in the present case.
 - vi. India has conducted more than 450 AD Investigation and the definition of PUC was never made based on user requirements. A PUC is always defined taking into consideration the basic product features. Even the like article test is conducted between imported product and the product that is domestically manufactured. Different users having different product specification for a basic chemical like DMAC is very usual and such differences in the user requirements do not render DMAC different products viz. all such users. There are users of DMAC who want purity such as 99% or even less. Thus, the product is produced in differing specifications in India and abroad and the requirements of the Applicant here can also be met by the domestic industry fully, provided they are ready to buy from the domestic industry and their requirements are bona fide and not any strategy to avoid ADD in force.
 - vii. Should the Applicant continue like a serious and genuine buyer with clarity on their requirements, the domestic industry has always had the capacity and technical knowhow and ability to supply DMAC of their choice and it is not at all an impossible task, as is being alleged.

Examination by the Authority

15. The Authority notes the argument of the Applicant regarding non-participation of M/s Rashtriya Chemicals and Fertilizers Ltd. and holds that it is not necessary for all the constituents of the Domestic Industry to participate in the review.
16. The Authority notes the submission of the domestic producer that the Applicant has no locus-standi to file the present review petition since the Chinese exporter from whom the Applicant imported the PUC had participated in the original investigation and did not raise any issue regarding product differentiation or exclusion at that time. The Authority holds that the Applicant has sought review on the ground that the products sought to be excluded in the present review petition are specifically required for spandex industry and the domestic industry is not able to provide the same. The Authority further notes that the Applicant is the one of the two spandex manufacturers in the country and the Chinese producer might not have known the specific technical

characteristics of the goods/produced by domestic industry and specific technical requirements of the PUC during the original investigation.

17. The Authority notes the following submissions on technical aspects of PUC made by the Applicant:
- i. The Authority notes the claim of the Applicant that the polymerization process involved in the manufacturing of Spandex yarn requires DMAC of conductivity below 0.1 micro-semens/cm. The Applicant has stated that high conductivity results into micro impurities which react with amino and hydroxyl groups which are reactants in polymer-forming system and, therefore, DMAC with higher conductivity is not suitable in their production process. It has been claimed that the DMAC imported by the Applicant always have conductivity below 0.1 micro-semens/cm. The Applicant further explained that the imported DMAC after usage in the process, is then recovered and purified in the solvent refine plant having distillation process. DMAC obtained from the distillation process has the conductivity in the range of 0.2 to 0.6 micro-semens/cm. and to further reduce the conductivity to the desired level of less than 0.1 micro-semens/cm, the Applicant have also installed an ion-exchange plant. The Authority notes that the Ion-exchange plant has been claimed as an essential requirement for lowering down the conductivity of the subject goods. The Applicant has submitted that M/s Balaji Amines does not have Ion-exchange plant to lower down the conductivity of the subject goods and therefore, they cannot produce the subject goods with the desired specifications. The Applicant has also provided the Certificate of Analysis of the DMAC imported by them indicating that its conductivity is below 0.1 micro-semens/cm.
 - ii. As regards the significance of moisture, the Authority notes the submission made by Applicant that the moisture content in the DMAC reacts with the NCO group of prepolymer and it forms amino groups and CO_2 . Due to this, the required reactant NCO would not be available to react with the chain extenders amino groups to get urea bond formation which limits the properties of the yarn. A chemical process called hydrolytic degradation occurs when it reacts with water. Polymer forming chain scission of the linkage will cause the reduction of molecular weight and degradation. It can also cause higher impurities. It creates the polymer gels and swelling in the polymer due to the side reaction which significantly reduces the spinning performance. Therefore, it is essential to limit the moisture content in DMAC to avoid unsuitable product in the end stream.
 - iii. As regards the acidity parameter, the Authority notes the submissions by the Applicant that DMAC with higher acidity reacts with NCO group of pre-polymer and it forms unsuitable intermediates and CO_2 . Also, it catalyses the acidic hydrolysis reaction. The required reactant NCO would not be available to react with Chain Extenders amino groups to get urea bond formation. This phenomenon leads to reduction in the polymer molecular weight, generation of impurities, and so chain dissociation in the linkage. Therefore, it is important to limit the Acidity within the specification to make required quality product.
 - iv. As regards the alkalinity parameter the Authority notes the submission of the Applicant that DMAC with higher alkalinity implies presence of higher amount of Alkaline substances, it reacts with NCO group of pre-polymer and it forms unsuitable intermediates causing micro impurities, The amount of required Amines for NCO group of pre-polymer will reduce significantly as the alkaline substances reacts with NCO. It changes the reaction mechanism and causes reduction in polymer molecular weight. Further, it changes the polymer morphology structure. Hence it is important to limit the Alkalinity within the specification to make desired product.
18. The Authority notes that the opposing domestic producer i.e. M/s Balaji Amines has claimed that the properties such as specific conductivity were not pointed out as a requirement at all in the earlier communication by the Applicant to M/s Balaji Amines nor are the part of scope of present MTR as specified in para 5 of the present MTR. In this regard, the Authority notes that the Applicant has produced a communication sent to M/s Balaji Amines in 2015 wherein they mentioned conductivity as a required parameter. Further the Authority notes that communications on testing of sample has happened between domestic producer and Applicant during 2019. The Applicant has submitted a communication dated 27th April 2019 with M/s Balaji Amines which was made prior to the initiation of the present MTR investigation.
19. As regards the submission of the participating domestic producer that the Authority has never done user-based exclusion, the Authority holds that, in past also, the Authority has excluded specific products/product grades for bonafide usage by the user Industry. In the Anti-circumvention investigations concerning imports of "Cold Rolled Flat Products of Stainless-Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA", dated 18.08.2017, the Authority excluded Anti-dumping duty on imports destined for usage by a category of bonafide users. The Applicant has also submitted the copies of customs notification no. 12/2012 dated 17th March 2012 and customs notification no. 12/2014 dated 11th July 2014 demonstrating an exemption in imports duty on the imports of MDI and PT MEG to justify user based exemption. The Authority also notes the apprehension by the domestic producer of a possible abuse of AD measure through circumvention if exemption to a particular grade of PUC was accorded.
20. As regards the contention of the opposing domestic producer that the petitioner requires less purity product for its production and that the domestic industry can produce the subject goods with 99.9% purity which is required

in pharmaceutical sector, the Authority notes that unlike the requirements of the pharma industry, the subject goods are contested by the Applicant on the ground that it contains micro level impurities which results into higher conductivity of the subject goods leading to undesirable reaction with the functional groups which are critical for the spandex manufacturing process.

21. The Authority notes that the demand of the Product under Consideration vis-à-vis the requirement of the Applicant in the original investigation was 7912 MT in the POI (1st April 2015 – 30th September 2016). The demand during the previous 3 years ranged between 7500 MT to 10000 MT per annum. The Applicant never procured the subject goods from any of the domestic producers and have relied on imports, which were about *** MT in 2015-16, *** MT in 2016-17, *** MT in 2017-18 and *** MT in 2018-19. During 2019-20 it was around *** MT in the first 6 months. The share of imports made by the Applicant are less than 10 % of the demand in the country.
22. The Authority in order to assess the essentiality of dependence on imports by the Applicant in view of having the required technical specifications of the PUC considered the following aspects;

(a) **Commercial Aspects**

23. The selling prices of the PUC by the domestic industry sold in India (pre and post levy of ADD) and also the landed value of the grade of PUC imported by the petitioner from subject and non-subject countries, are as depicted below:

Net selling price of the PUC of the cooperating Domestic Producer

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (up to Sep 19)
Net Selling Price - Rs/Kg	***	***	***	***	***
Index	100	97	113	156	134

Imports of the PUC by Applicant

Country	2015-16		2016-17		2017-18		2018-19		2019-20 (up to Dec. 19)	
	Vol.(MT)	Rs/kg	Vol.(MT)	Rs/kg	Vol.(MT)	Rs/kg	Vol.(MT)	Rs/kg	Vol.(MT)	Rs/kg
Belgium	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
China	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Japan	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***
Turkey	***	***	***	***	***	***	***	***	***	***

- i. The Authority holds that apart from the subject countries i.e. China and Turkey, on which the AD duty is in force, the Applicant has also imported appreciable quantity of the subject goods from other non-subject countries e.g. Japan and Belgium in past 3 years.
- ii. It is also noted by the Authority that the Applicant has never bought any subject goods from the domestic Industry due to the non-availability of the subject goods with the required technical specifications. However, the Applicant has submitted that they would have procured the subject goods from Domestic Industry, if these were available to them with the required specifications irrespective of the prices.

(b) **Technical Aspects**

24. The Authority requested the Department of Textile and Fibre Engineering, IIT, Delhi to analyse the technical specification of DMAC required for manufacture of elastomeric yarn through spandex process. The technical inputs given by IIT, Delhi indicates that production of fibre grade polyurethane requires specific technical parameters of DMAC.

Post Disclosure Comments:**Submissions of the Applicant (by-APJSLG):**

25. The product under consideration be redefined for excluding the technical specifications from the scope of the product under consideration.
26. Selling prices of Balaji do not represent prevailing prices of the subject goods in the country, especially when there is another domestic producer present in the country, and, it therefore, would not be sufficient to make any conclusion relating to commercial aspects of the investigation based on the selling price of Balaji.
27. Imports do not form part of commercial decisions of the Applicant, rather, they pose as a necessity owing to the technical inability of the domestic producers to provide the subject goods which are required by the Applicant, as the subject goods are highly technical in nature, and the Applicant procures them only after ensuring the technical compatibility. In 2016, the Applicant had rejected the goods supplied by Akkim, Turkey because the moisture content was 0.017% as against the required 0.01%.
28. The Applicant has tried to procure subject goods with the specific technical parameters from Balaji and the communications were made since 2015, however, Balaji failed to provide the same.
29. DMAC quality data of the Applicant and also the Certificate of Analysis (CoA) and invoices for imports made by the Applicant in 2017, 2018 and 2019 indicates the parameters subject to the present Mid-term review.
30. Test report dated 05.02.2020 shows that the goods supplied by Balaji failed to comply with sought parameters like conductivity and alkalinity.
31. It is proposed by the Applicant that a user-based exemption similar in the case of “Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA” may be granted in the present case and a declaration may be provided that bonafide usage shall be exempted from the Notification No.14/41/2016-DGAD dated 21.2.2018 along with the corresponding Customs Notification No. 12/2018-Customs (ADD) dated 20.03.2018.

Submissions of the participating domestic producer i.e. M/s Balaji Amines Ltd (by-M.S. Pothal):

32. Test Report dated 25.01.2020 clearly substantiates that the DMAC produced by Balaji Amines Ltd meets the technical specifications required by the applicant. However, the said test report is not addressed in the Disclosure Statement, and the DI is not aware of any submissions/ examination refuting the said report.
33. As long as the imported product DMAC is defined in the anti-dumping notification, exclusions from the product scope cannot be carved out on basis of particular specifications required by the petitioner.
34. The needs of the petitioner were considered when they showed interest in buying DMAC from Balaji and it was understood that the same could be provided after some fine tuning in the existent manufacturing process.
35. The foreign producers in the Original Investigation had admitted that the DMAC supplied by them and the domestic industry were like articles.
36. The petitioner cannot argue that the test report dated 25.1.2020 falls after initiation and has no persuasive value and the report is not barred by time as no investigation periods were set for this investigation, and, negotiations between the parties were still ongoing after the initiation.
37. The petitioner had always preferred to import and was in fact never ready to approach the company.
38. The copy of the report prepared by the Department of Textile and Fibre Engineering, IIT, Delhi to analyse the technical specification of DMAC required for manufacture of elastomeric yarn through spandex process was not provided to Balaji. It would have been better if the Authority sent the samples of DMAC produced by Balaji and that imported by the petitioner for comparison purposes to such institutes.
39. Any exclusion of DMAC to be used by the petitioner or by spandex yarn producers as such from the scope of ADD will lead to large circumvention of duties in force. For example, if DMAC to be used for spandex yarn is excluded, even the users in pharmaceutical or other sector start getting such material which will not vitiate their requirements in any manner. Thus, balance of convenience lies in not excluding any type from the scope of PUC.

Examination by the Authority

40. Authority notes that in the original investigation, the product under consideration was the ‘Dimethylacetamide’ [N, N-Dimethylacetamide]. Dimethylacetamide is the organic compound with the formula $\text{CH}_3\text{C}(\text{O})\text{N}(\text{CH}_3)_2$ and bears the chemical nomenclature ‘N, N-Dimethylacetamide’. Abbreviations like DMAC is also normally used to denote the product under consideration in the market parlance. It is a clear, colourless- to- yellow liquid soluble in water and other organic substances with a pale amine like or ammoniacal odour.

41. Present mid-term review is requested for exclusion of specific grade of 'Dimethylacetamide' [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC)" having the following technical specification:
- I. Minimum Purity (99.9% min.) and Maximum Alkalinity level (0.003% max)
 - II. Maximum Acidity level (0.005% max)
 - III. Maximum iron ppm as (0.05)
 - IV. Maximum Water (0.01% max)
 - V. Conductivity (0.1 micro-semens/cm max)
42. The present review is therefore only for the limited purpose of investigating the need for exclusion of the above-referred product from the scope of the product under consideration in the original investigation. Authority also notes that the applicant did not participate in the original investigation.
43. Authority notes that in the MTR initiation notification the maximum water content erroneously mentioned is 0.2% max, which should be corrected to read as maximum water content (0.01% max or 100 ppm).
44. Authority notes that the sole participating domestic producer initially admitted that they supply largely to pharmaceutical companies and purity requirements are higher in pharma sector.
45. Authority notes that spandex industry has its specific requirements with respect to parameters like purity, water content & conductivity etc for the manufacturing of the spandex fibre, which are different from pharmaceuticals.
46. Authority notes that the analysis report from IIT-Delhi also supports the technical requirements of the particular grade of DMAC for the manufacturing of Spandex fibre.
47. It is noted that evidence on record suggests that the domestic producer(s) do not have the capability to produce DMAC of the grade required for spandex yarn manufacturing.

Conclusion

48. The authority notes that there is specific grade of DMAC required for Spandex Industry.
49. In view of the above, Authority concludes that technical specification based exclusion of the product under consideration is required to cater to the specific need of Spandex fibre producers.
50. The product exclusion will be strictly limited to actual users only, exclusively for actual Spandex yarn manufactures when imported for manufacturing of Spandex yarn. The actual user shall provide declarations to customs at the time of import regarding bonafide usage in this regard. Actual users would also maintain the monthly record in the form of verifiable consumption register for presentation before any law enforcing agency on demand.

Recommendation

51. "Dimethylacetamide" [N, N-Dimethylacetamide] (DMAC)" having following technical specifications, when meant for consumption in spandex yarn manufacturing, shall be excluded from the product under Consideration in the Notification No.14/41/2016-DGAD dated 21.02.2018 read with the corresponding Custom Notification No.12/2018-Customs (ADD) Dated 20.03.2018.
- I. Minimum Purity (99.9% min.) and Maximum Alkalinity level (0.003% max)
 - II. Maximum Acidity level (0.005% max)
 - III. Maximum iron ppm as (0.05)
 - IV. Maximum water (0.01% max or 100 PPM)
 - V. Conductivity (0.1 micro-semens /cm max)
52. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

B. B. SWAIN, Spl. Secy. & Designated Authority